मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्षः 8 अंक 221
बुधवार, 25 फरवरी 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

ऐतिहासिक फैसलाः अब 'केरलम' नाम से जाना जाएगा 'केरल', सेवा तीर्थ से मोदी सरकार ने पहला बड़ा निर्णय

नई दिल्ली, 24 फरवरी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने केरल का नाम बदलकर 'केरलम' करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। केंद्रीय मंत्रिमंडल की स्वीकृति के बाद, भारत के राष्ट्रपति केरल (नाम परिवर्तन) विधेयक, 2026 को केरल राज्य विधानसभा को संविधान के अनुच्छेद 3 के प्रावधान के तहत विचार-विमर्श हेतु भेजेंगे। केरल राज्य विधानसभा के विचार प्राप्त होने के बाद, भारत सरकार आगे की कार्रवाई करेगी और संसद में केरल राज्य का नाम बदलकर 'केरलम' करने हेतु केरल (नाम परिवर्तन) विधेयक, 2026 को प्रस्तुत करने के लिए राष्ट्रपति की अनुशंसा प्राप्त की जाएगी।

राज्य में विधानसभा चुनाव से पहले नाम में यह बदलाव किया गया है, जिसकी तारीखों की घोषणा अभी तक भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) द्वारा नहीं की गई है। इसी वर्ष जनवरी में, केरल भाजपा अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर ने मुख्यमंत्री पिनारयी विजयन को पत्र लिखकर वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) सरकार द्वारा राज्य का नाम बदलकर 'केरलम' रखने के कदम का समर्थन किया था। बाद में चंद्रशेखर ने अपने पत्र का उत्तर देने के लिए मुख्यमंत्री को धन्यवाद दिया और सोशल मीडिया पर उत्तर साझा करते हुए कहा कि 'केरलम' नाम राज्य के इतिहास, भाषा और जड़ों को दर्शाता है।

उन्होंने कहा कि इसे पुनर्स्थापित करना हमारी विरासत को सम्मान देने की दिशा में एक कदम है। भाजपा और एनडीए हमेशा से केरल की परंपराओं, संस्कृति और आस्था की रक्षा के लिए खड़े रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि राज्य की कुछ राजनीतिक पार्टियों का इन मूल्यों और मान्यताओं का उल्लंघन करने का लंबा इतिहास रहा है। चंद्रशेखर ने कहा कि हमारे लिए, ह्यविकसित केरल, सुरक्षित केरल और आस्था की रक्षाह्ण सिर्फ नारे नहीं हैं। ये हमारा मिशन है। उन्होंने यह भी जोड़ा कि केरल और उसके लोगों के हित में जो भी अच्छा होगा, उसका वे हमेशा समर्थन करेंगे।

अपने उत्तर पत्र में मुख्यमंत्री विजयन ने कहा कि राज्य का मूल नाम 'केरलम' था, जिसे ब्रिटिश शासन के दौरान प्रशासनिक सुविधा के लिए 'केरल' में बदल दिया गया था। पत्र में विजयन ने कहा कि उनके द्वारा किए गए परिवर्तनों को सुधारा जा रहा है और मूल नाम को बहाल किया जा रहा है। यह राज्य की संस्कृति के अनुरूप है।

राहुल गांधी ने पीएम मोदी पर निशाना साधा

नई दिल्ली, 24 फरवरी। कांग्रेस पार्टी मंगलवार को भोपाल में अमेरिकी व्यापार समझौते के विरोध में एक भव्य 'किसान महाचौपाल' का आयोजन किया। किसान महाचौपाल को वरिष्ठ नेता राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे ने संबोधित किया। इस दौरान राहुल गांधी ने जमकर केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार पर निशाना साधा। लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा कि इस साल इतिहास में पहली बार लोकसभा में विपक्ष के नेता को बोलने की अनुमति नहीं दी गई। जैसे ही मैंने भाषण शुरू किया, मुझे बीच में ही रोक दिया गया।

राहुल गांधी ने दावा किया कि पूर्व सेना प्रमुख जनरल एमएम नरवणे (सेवानिवृत्त) ने एक किताब लिखी है जिसमें उन्होंने जिक्र किया है कि जब चीनी टैंक भारतीय सीमा में घुस रहे थे, तो उन्होंने राजनाथ सिंह को आदेश लेने के लिए फोन किया, लेकिन उन्हें कोई जवाब नहीं मिला। उन्होंने कहा कि अजीत डोवाल और एस जयशंकर ने भी जवाब नहीं दिया... युद्ध का फैसला प्रधानमंत्री लेते हैं, लेकिन प्रधानमंत्री ने जवाब नहीं दिया, वे अपने कमरे में छिप गए और सेना प्रमुख से कहा कि वे जो चाहें करें... सेना प्रमुख ने लिखा है कि उस दिन भारतीय सरकार ने उन्हें अकेला छोड़ दिया था। उन्होंने कहा कि यानी- जब आर्मी चीफ को ऑर्डर देने और चीन को रोकने का समय आया तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गायब हो गए।

गांधी ने कहा कि अमेरिका के साथ व्यापार समझौता पांच महीने तक रुका रहा क्योंकि इसमें कृषि और कृषि उत्पाद शामिल थे। भारत के किसान, खेत मजदूर और यहां तक कि सरकार भी इसे नहीं चाहती थी। शाम को संसद से निकलने के बाद मोदी ने ट्रंप को फोन किया... उन्होंने झूठ बोला, यह बहाना बनाया कि कांग्रेस की महिला सांसद हमला करने वाली हैं, लेकिन इसके बजाय उन्होंने सीधे फोन किया और कहा कि वह समझौता करने के लिए तैयार हैं।

कांग्रेस नेता ने कहा कि अमेरिका में एपस्टीन की लाखों फाइलें अटकी हुई हैं; ऐसे वीडियो और संदेश हैं जिन्हें जारी नहीं किया गया है। हरदीप पुरी का नाम उन्हें धमकाने के लिए जारी किया गया था।

शमशान बना 3 मंजिला मकानः शॉर्ट सर्किट की एक चिंगारी ने छीन ली 6 जिंदगियां

मेरठ, 24 फरवरी। उत्तर प्रदेश के मेरठ जिले से सोमवार की रात एक ऐसी खबर आई जिसने पूरे प्रदेश को झकझोर कर रख दिया। लिसाड़ी गेट थाना क्षेत्र के किदवईनगर इलाके में एक कपड़ा व्यापारी के तीन मंजिला मकान में भीषण आग लग गई। इस दर्दनाक हादसे में परिवार की एक महिला और पांच मासूम बच्चों की जलकर मौत हो गई।

किदवईनगर निवासी कपड़ा व्यापारी इकबाल अंसारी का तीन मंजिला मकान है। घर के ग्राउंड फ्लोर पर रेडीमेड कपड़ों का बड़ा गोदाम बना हुआ है, जबकि ऊपर की मंजिलों पर पूरा परिवार रहता था। सोमवार रात करीब 9 बजे, अचानक शॉर्ट सर्किट हुआ और चिंगारी सीधे कपड़ों के गोदाम तक पहुंच गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया। कपड़ों का स्टॉक होने की वजह से लपटें इतनी तेज थीं कि उन्होंने चंद मिनटों में पूरी सीढ़ियों को घेर लिया। ऊपर रह रहे परिवार को नीचे उतरने का मौका तक नहीं मिला और पूरा घर धुएं के गुबार में तब्दील हो गया।हादसे में उजड़ गई गोद सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। लेकिन जब टीम अंदर दाखिल हुई, तो वहां का मंजर देखकर कलेजा मुंह को आ गया। इस अग्निकांड ने इन 6 लोगों की जान ले ली।- रुखसार (30): आसिम की पत्नी।- अद्दस (3), नबिया (6 माह), इनायत (6 माह): रुखसार के बच्चे।- महविश (12) और हम्माद (4): फारूक के बच्चे।

इस हादसे में दो अन्य लोग भी गंभीर रूप से झुलसे हैं, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

घटना की गंभीरता को देखते हुए डीएम (उट) और एसएसपी (ररढ) तुरंत मौके पर पहुँचे। शुरूआती जांच में यह बात सामने आई है कि आग शॉर्ट सर्किट की वजह से लगी थी, लेकिन वहां रखे सिलेंडर के लीक होने ने आग में घी का काम किया, जिससे धमाका और लपटें और तेज हो गईं।कपड़ा कारोबारी के घर हुए इस हादसे ने पूरे किदवईनगर को सन्नाटे में डुबो दिया है। एक साथ 5 बच्चों और एक महिला की अर्थी उठने की खबर से हर आंख नम है। फॉरेंसिक टीम अभी भी मौके पर मौजूद है ताकि हादसे के तकनीकी कारणों की विस्तृत जांच की जा सके।

भारत-इंडोनेशिया संसदीय मैत्री समूह के नेतृत्व की जिम्मेदारी मिलना गर्व की बातः डॉ. श्रीकांत शिंदे

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला का जताया आभार

कल्याण, 24 फरवरी। अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व करना हमेशा सम्मान की बात होती है। भारतझइंडोनेशिया संसदीय मैत्री समूह के नेतृत्व की जिम्मेदारी सौंपे जाने पर शिवसेना सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे ने अपने एक्स पोस्ट के जरिए माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, माननीय लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला तथा माननीय संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया है।

श्रीकांत शिंदे ने आगे कहा की मेरे लिए, मेरी पार्टी और महाराष्ट्र के सभी नागरिकों के लिए अत्यंत गर्व का क्षण है। ऐसे मंच भारत के कूटनीतिक हितों को और मजबूत करेंगे तथा हमारे लोकतांत्रिक, संसदीय और जन-से-जन संबंधों को और गहरा करेंगे।

उन्होंने आगे कहा कि वे प्रतिनिधिमंडल में शामिल विभिन्न राजनीतिक दलों के सभी सांसदों के साथ मिलकर भारत और इंडोनेशिया के बीच सांस्कृतिक, आर्थिक और सामाजिक साझेदारी को और सशक्त बनाने की दिशा में सक्रिय रूप से कार्य करेंगे। यह पहल दोनों देशों के बीच आपसी सहयोग को नई गति देने के साथ-साथ भारत की वैश्विक उपस्थिति को और मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

इन मैत्री समूहों के तहत शिवसेना सांसद श्रीकांत शिंदे को इंडोनेशिया से जुड़े संसदीय मैत्री समूह का नेतृत्व सौंपा गया है। ३९ वर्षीय श्रीकांत शिंदे इस प्रतिनिधिमंडल में सबसे युवा नेता होंगे, जो अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत की नई और ऊजावान राजनीतिक पीढ़ी का प्रतिनिधित्व करेंगे।इससे पहले ऑपरेशन सिंदूर के तहत विभिन्न राजनीतिक दलों के सांसदों को शामिल करते हुए एक उच्चस्तरीय सर्वदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल गठित किया गया था, जिसका नेतृत्व सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे ने किया। इस प्रतिनिधिमंडल ने संयुक्त अरब अमीरात, सिएरा लियोन, लाइबेरिया और कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य का दौरा किया। इन सभी देशों में उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर भारत का पक्ष मजबूती और स्पष्टता के साथ प्रस्तुत किया।

डॉ. श्रीकांत शिंदे शिवसेना के तीन बार के युवा सांसद और संसदीय दल के नेता हैं, , जो लोकसभा में महाराष्ट्र से जुड़े मुद्दों को प्रभावी ढंग से सदन के सामने रखते रहे हैं। उनकी इसी क्षमता और सक्रिय भूमिका को देखते हुए लोकसभा अध्यक्ष ने उन पर पूर्ण विश्वास जताते हुए उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है।

सूडानी अर्द्धसैनिक बलों ने दारफुर में किया हमला, 28 लोगों की मौत, कई घायल

सूडान। सूडान के उत्तरी दारफुर प्रांत में जारी हिंसा के बीच अर्धसैनिक बलों के एक हमले में कम से कम 28 लोगों की जान चली गई। चिकित्सकों के संगठन Sudan Doctors Network ने मंगलवार को इस घटना की पुष्टि की और बताया कि हमले में दर्जनों लोग घायल भी हुए हैं। संगठन के अनुसार, सोमवार को अर्धसैनिक समूह Rapid Support Forces (आरएसएफ) ने मिस्तरिहा शहर में व्यापक हिंसा और तोड़फोड़ की। यह इलाका अरब जनजातीय नेता Musa Hilal का प्रभाव क्षेत्र माना जाता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि हमले में कम से कम 39 लोग घायल हुए, जिनमें 10 महिलाएं शामिल हैं। स्थानीय स्रोतों के मुताबिक, शहर में गोलीबारी और लूटपाट की घटनाओं से दहशत का माहौल है।

पश्चिम बंगाल में कोलकाता कोर्ट को मिली बम से उड़ाने की धमकी

कोलकता। पश्चिम बंगाल से बड़ी खबर सामने आई है। यहां पर कलकत्ता हाई कोर्ट के परिसर को बम से उड़ाने की धमकी दी गई है। इस धमकी के बाद परिसर को खाली करवाया गया है। अधिकारियों ने बताया कि कोलकाता की सत्र अदालत, बैंकशाल स्थित मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट न्यायालय और पश्चिम बर्धमान जिले के आसनसोल तथा दुगार्पुर में उप-संभागीय अदालतों को मंगलवार सुबह ईमेल पर बम से उड़ाने की धमकी मिली। हालांकि, उन्होंने बताया कि तलाशी अभियान के दौरान अदालत परिसरों में कोई भी संदिग्ध वस्तु या विस्फोटक सामग्री नहीं मिली। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि कोलकाता की सत्र अदालत और बैंकशाल स्थित मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट न्यायालय के परिसरों को खाली करा लिया गया।

दिल्ली के एआई समिट में हंगामा, युवा कांग्रेस के 8 नेता अरेस्ट

नई दिल्ली, 24 फरवरी। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने मंगलवार को पुष्टि की कि राष्ट्रीय राजधानी के भारत मंडपम में इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 के दौरान हुए 'शर्टलेस' विरोध प्रदर्शन के सिलसिले में भारतीय युवा कांग्रेस के अध्यक्ष उदय भानु चिब समेत आठ लोगों को गिरफ्तार किया गया है। प्रेस ब्रीफिंग में दिल्ली पुलिस के स्पेशल सीपी क्राइम ब्रांच, देवेश चंद्र श्रीवास्तव ने बताया कि उन्हें पुख्ता सबूत मिले हैं कि यह घटना गहरी साजिश के तहत की गई थी। श्रीवास्तव ने कहा कि अब तक की जांच के आधार पर हमें पुख्ता सबूत मिले हैं कि यह घटना गहरी साजिश के तहत हुई थी... इस मामले की आगे की जांच क्राइम ब्रांच की इंटरस्टेट सेल को सौंप दी गई है। विस्तृत जांच की जा रही है। एक अधिकारी ने बताया कि मामला क्राइम ब्रांच की अंतरराज्यीय प्रकोष्ठ को सौंप दिया गया है और इसके तहत विस्तृत जांच की जाएगी। उन्होंने आगे कहा कि इस संबंध में तिलक मार्ग पुलिस स्टेशन में बीएनएस की धारा 61(2), 121(1), 132, 190, 195(1), 221, 223(ए), 196, 197 और 3(5) के तहत एफआईआर दर्ज की गई है...अब तक 8 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

DAKS REHAB CENTRE
(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)
Contact us: 9820519851
विल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीबी नगर मुंबई-37

* Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
* बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
* वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
* DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
* NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
* चिकिस्ता उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
* एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
* पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
* मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
* विशेषज्ञ डॉक्टरो से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
* मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तीयों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकिस्ता सुविधा उपलब्ध

NEW LIGHT CLASSES
TRADITION OF EXCELLENCE
2nd Floor, Sheetal Bldg.
Near Diamond Talkies,
L. T. Road, Borivali (West)
Mumbai - 400 092
Maharashtra

ADMISSIONS OPEN
ALL OVER INDIA
ENROLL NOW

SMART CLASSROOM
(ONLINE/OFFLINE)
Courses Offered
Std. XI & XII (Sci.)
NEET
JEE (Main & Advance)
MHT-CET
Polytechnic & Engg
Physics and Maths (ICSE, CBSE, ISC)
M: 9833240148 | E: edu@newlightclasses.com | W: www.newlightclasses.com

पैक्स सिलिका में भारत का होना एक महत्वपूर्ण उपलब्धि

-ललित गर्ग

इक्कीसवीं सदी का यह दौर कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सेमीकंडक्टर और तकनीकी आपूर्ति श्रृंकखलाओं की वैश्विक प्रतिस्पर्धा का दौर बन चुका है। ऐसे समय में भारत द्वारा एआई शिखर सम्मेलन का सफल आयोजन और उसके तुरंत बाद अमेरिका के नेतृत्व वाले समूह पैक्स सिलिका से औपचारिक रूप से जुड़ना केवल एक कूटनीतिक उपलब्धि नहीं, बल्कि एक दूरदर्शी और रणनीतिक कदम है। यह उस नए भारत की घोषणा है जो तकनीकी शक्ति, नैतिक दृष्टि और वैश्विक संतुलन-तीनों को साथ लेकर चलने का सामर्थ्य अर्जित कर रहा है। एआई समिट के माध्यम से भारत ने स्पष्ट संकेत दिया है कि वह अब केवल तकनीक का उपभोक्ता राष्ट्र नहीं, बल्कि निमार्ता और मार्गदर्शक की भूमिका निभाने के लिए तैयार है। दुनिया की तीसरी बड़ी एआई शक्ति बनने की दिशा में यह एक ठोस चरणन्यास है।

दुर्लभ खनिजों और सेमीकंडक्टर आपूर्ति श्रृंखला पर चीन का लगभग 90 प्रतिशत वर्चस्व पिछले कुछ वर्षों से वैश्विक चिंता का विषय बना हुआ है। कंप्यूटर चिप से लेकर रक्षा प्रणालियों और अंतरिक्ष तकनीक तक, हर क्षेत्र इन संसाधनों पर निर्भर है। इस पृष्ठभूमि में पैक्स सिलिका जैसे मंच की परिकल्पना एक संतुलित, विश्वसनीय और बहु-ध्रुवीय तकनीकी ढांचे के

रूप में की गई है। भारत का इस समूह में शामिल होना केवल प्रतीकात्मक कदम नहीं, बल्कि रणनीतिक और अनिवार्य निर्णय है। भारत की इंजीनियरिंग क्षमता, विशाल युवा प्रतिभा और उभरता हुआ सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम इस गठबंधन को नई मजबूती प्रदान करेगा। यह पहल किसी के विरुद्ध आक्रामकता नहीं, बल्कि वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में संतुलन और विविधता स्थापित करने का प्रयास है। जब शक्ति का केंद्रीकरण टूटता है और साझेदारी का विस्तार होता है, तभी विश्व व्यवस्था स्थिर और संतुलित बनती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पिछले एक दशक में भारत ने तकनीक को शासन और विकास के केंद्र में स्थापित किया है। डिजिटल इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, मेक इन इंडिया और सेमीकंडक्टर मिशन जैसी पहलों ने एक मजबूत आधार तैयार किया है। भारत का डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर आज दुनिया के लिए एक मॉडल बन चुका है। आधार, यूपीआई और डिजिटल सेवाओं ने करोड़ों लोगों को आर्थिक मुख्यधारा से जोड़ा है। इसी आधार पर एआई और चिप निर्माण के क्षेत्र में महत्वाकांक्षी कदम उठाए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री की सक्रियता और वैश्विक मंचों पर भारत की प्रभावी उपस्थिति ने देश को एक विश्वसनीय तकनीकी साझेदार के रूप में स्थापित किया है। उनका दृष्टिकोण केवल आर्थिक लाभ तक सीमित नहीं है, बल्कि तकनीकी आत्मनिर्भरता को वैश्विक सहयोग के साथ जोड़ने का है।

भारत में चिप डिजाइन, निर्माण और एआई अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए बड़े निवेश आकर्षित किए जा रहे हैं। वैश्विक कंपनियाँ भारत को स्थिर लोकतंत्र, कुशल मानव संसाधन और दीर्घकालिक नीति स्थिरता वाले देश के रूप में देख रही हैं। पैक्स सिलिका जैसे अंतरराष्ट्रीय ढांचे का हिस्सा बनने से भारत को तकनीकी सहयोग, संयुक्त अनुसंधान, पूंजी निवेश और आपूर्ति श्रृंखला विविधीकरण में व्यापक लाभ मिलेगा। इससे न केवल चीन पर निर्भरता कम होगी, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा और आर्थिक स्थिरता भी सुदृढ़ होगी। यह भागीदारी भारत को अमेरिका, जापान, दक्षिण कोरिया और यूरोपीय देशों जैसी प्रमुख तकनीकी शक्तियों के साथ और अधिक निकटता से जोड़ेगी, जिससे वैश्विक तकनीकी परिदृश्य में भारत की प्रतिष्ठा निरंतर बढ़ेगी। भारत की विशेषता केवल तकनीकी क्षमता नहीं, बल्कि उसकी सांस्कृतिक और नैतिक दृष्टि भी है। ह्वसुधैव कुटुम्बकम्ह्व की भावना से प्रेरित भारत एआई को मानव-केंद्रित विकास का माध्यम बनाना चाहता है। स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि और आपदा प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में एआई के उपयोग से व्यापक जनकल्याण सुनिश्चित किया जा सकता है। यदि तकनीक कुछ शक्तियों के हाथों में सिमट जाए तो असंतुलन बढ़ता है, किंतु जब लोकतांत्रिक और समावेशी राष्ट्र इसका नेतृत्व करते हैं तो यह वैश्विक कल्याण का साधन बन सकती है। भारत का प्रयास है कि एआई के नैतिक मानदंड सार्वभौमिक हों और तकनीक का उपयोग हथियार के रूप में नहीं, बल्कि मानव प्रगति के साधन के रूप में हो। भारत की दृष्टि में कृत्रिम बुद्धिमत्ता केवल तकनीकी प्रगति का उपकरण नहीं, बल्कि मानवीय चेतना के विस्तार का माध्यम है। जिस देश ने विश्व को ह्वसुधैव कुटुम्बकम्ह्व का मंत्र दिया, जिसने करुणा, अहिंसा और सह-अस्तित्व की परंपरा को जीवन-मूल्य के रूप में प्रतिष्ठित किया, वह एआई को भी केवल बाजार और प्रभुत्व की प्रतिस्पर्धा में नहीं, बल्कि मानव कल्याण और वैश्विक संतुलन के संदर्भ में देखता है। भारत की सभ्यता-चेतना, जो महात्मा गांधी की अहिंसा और गौतम बुद्ध की करुणा से अनुप्राणित है, तकनीकी विकास को नैतिक अनुशासन से जोड़ने की प्रेरणा देती है। यहाँ विकास का अर्थ केवल गति नहीं, बल्कि दिशा भी है; केवल क्षमता नहीं, बल्कि संवेदना भी है। यदि कृत्रिम बुद्धिमत्ता को जीवन की समग्रता-प्रकृति, समाज और मानव गरिमा के साथ जोड़ा जाए, तो भारत विश्व संरचना में ऐसा संतुलित मॉडल प्रस्तुत कर सकता है जो तकनीक को विनाश का कारण बनने से रोककर उसे सृजन, समावेशन और मानव उत्कर्ष का सशक्त साधन बना दे। आज दुनिया दो ध्रुवों के बीच खड़ी दिखाई देती है-एक ओर केंद्रीकृत तकनीकी वर्चस्व, दूसरी ओर साझेदारी और संतुलन का मॉडल। भारत का उभार इस द्वंद्व को संतुलन में बदलने की क्षमता रखता है। भारत न टकराव की राह पर है, न निष्क्रियता की; वह सक्रिय संतुलन की नीति अपना रहा है। यह संतुलन ही भविष्य की शांतिपूर्ण विश्व व्यवस्था का आधार बन सकता है। पैक्स सिलिका के माध्यम से भारत और उसके सहयोगी देश एक ऐसी नई दिशा दे सकते हैं जहाँ तकनीकी नवाचार का लाभ वैश्विक दक्षिण तक पहुँचे, आपूर्ति श्रृंखला पारदर्शी हो और वैश्विक शक्ति-संतुलन स्थिर रहे। निस्संदेह, यह समय भारत के लिए ऐतिहासिक है। एआई और सेमीकंडक्टर के इस युग में भारत का यह कदम उसकी आर्थिक और तकनीकी शक्ति को नई ऊँचाइयों पर ले जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में उभरती यह तकनीकी और एआई क्रांति न केवल भारत को सशक्त बना रही है, बल्कि विश्व को भी संतुलन और सहयोग की नई राह दिखा रही है। आने वाले वर्षों में यह साझेदारी नई सृष्टि का आधार बन सकती है-एक ऐसी सृष्टि जहाँ तकनीक प्रतिस्पर्धा का नहीं, बल्कि समन्वय और शांति का माध्यम बने। भारत इस दिशा में दृढ़ता से अग्रसर है और विश्व नेतृत्व की भूमिका निभाने के लिए स्वयं को सक्षम बना रहा है।

सपा की अविमुक्तेश्वरानंद के बहाने हिंदुत्व में फूट की कोशिश

-अजय कुमार

प्रयागराज के झूंसी थाने में शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के खिलाफ अदालत के आदेश पर दर्ज एफआईआर ने उत्तर प्रदेश की राजनीति को एक बार फिर धर्म, कानून और सत्ता के चौराहे पर ला खड़ा किया है। मामला जितना कानूनी है, उससे कहीं ज्यादा उसका असर सामाजिक और राजनीतिक स्तर पर दिख रहा है। आरोप बेहद गंभीर हैं, धाराएं सख्त हैं और समय ऐसा जब हर घटना को चुनावी गणित से जोड़कर देखा जा रहा है। यही वजह है कि यह प्रकरण तेजी से सूबे की राजनीति के केंद्र में आ गया है एफआईआर में पॉक्सो एक्ट समेत गंभीर धाराएं लगाई गई हैं। यह कानून बच्चों के यौन शोषण से जुड़े मामलों में देश का सबसे सख्त कानून माना जाता है। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़ों के मुताबिक वर्ष 2022 में देशभर में करीब 54 हजार पॉक्सो मामले दर्ज हुए थे। इनमें अकेले उत्तर प्रदेश से लगभग 7,500 मामले सामने आए, यानी कुल मामलों का करीब 14 प्रतिशत। इनमें से करीब 65 प्रतिशत मामलों में पीड़ित की उम्र 16 साल से कम थी। आंकड़े बताते हैं कि यूपी में हर दिन औसतन 20 से अधिक पॉक्सो मामले दर्ज होते हैं। ऐसे माहौल में किसी बड़े धार्मिक पद पर बैठे व्यक्ति पर इस कानून के तहत एफआईआर दर्ज होना स्वाभाविक रूप से असाधारण घटना मानी जा रही है। शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए इसे सुनियोजित साजिश बताया है। उनका कहना है कि जिन घटनाओं का उल्लेख शिकायत में किया गया है, वे कथित तौर पर 15 से 20 साल पुरानी बताई जा रही हैं। सवाल यह उठता है कि इतने लंबे समय बाद मामला क्यों सामने आया। शंकराचार्य का दावा है कि उनके गुरुकुल में सीसीटीवी कैमरे लगे हैं और जांच एजेंसियां चाहें तो तथ्यों की निष्पक्ष जांच कर सकती हैं। उन्होंने यह भी कहा है कि वह जांच से भागेंगे नहीं और कानून का सामना करेंगे, लेकिन इस पूरे घटनाक्रम के पीछे राजनीतिक मंशा साफ दिखाई दे रही है।

यहीं से यह मामला राजनीति की जमीन पर उतर आता है। समाजवादी पार्टी खुलकर शंकराचार्य के समर्थन में सामने आई है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने इस एफआईआर को सरकार की नीयत से जोड़ते हुए योगी सरकार पर तीखा हमला बोला। अखिलेश यादव का कहना है कि जो सरकार खुद को सनातन धर्म की रक्षक बताती है, वही आज धर्म के सबसे प्रतिष्ठित पदों में से एक पर बैठे शंकराचार्य को झूठे आरोपों में घसीट रही है। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की विदेश यात्राओं का हवाला देते हुए सवाल उठाया कि जब प्रदेश में इतना संवेदनशील मामला सामने आया है, तब सरकार की प्राथमिकता क्या है।अखिलेश यादव ने इस विवाद को केवल धार्मिक या कानूनी मुद्दा मानने से इनकार किया। उन्होंने इसे पीडीए यानी पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक राजनीति से जोड़ते हुए कहा कि मौजूदा सरकार की नीतियों से समाज के बड़े हिस्से में नाराजगी बढ़ रही है। सपा के आंतरिक सर्वे के मुताबिक पिछले पांच वर्षों में यूपी के ग्रामीण इलाकों में बेरोजगारी की दर करीब 12 प्रतिशत तक पहुंच गई है, जबकि शहरी इलाकों में यह आंकड़ा 10 प्रतिशत के आसपास है। महंगाई के मोर्चे पर भी स्थिति चिंताजनक है। खाद्य पदार्थों की कीमतों में पिछले तीन साल में औसतन 25 से 30 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। सपा का तर्क है कि जब जनता पहले से इन समस्याओं से जूझ रही है, तब ऐसे विवाद सरकार के खिलाफ माहौल को और तेज कर रहे हैं।

सरकार और उसके समर्थक इस पूरे मामले को कानून के राज से जोड़कर देख रहे हैं। उनका कहना है कि एफआईआर अदालत के आदेश पर दर्ज हुई है और पुलिस केवल न्यायिक निर्देशों का पालन कर रही है। भाजपा समर्थकों का तर्क है कि कानून सबके लिए समान है और धार्मिक पद या सामाजिक हैसियत किसी को कानून से ऊपर नहीं रख सकती। हालांकि यह भी सच है कि सरकार की ओर से अब तक कोई विस्तृत राजनीतिक बयान सामने नहीं आया है, जिसे विपक्ष अपने पक्ष में भुना रहा है। धार्मिक और सामाजिक स्तर पर भी यह मामला गहरे असर छोड़ रहा है। संत समाज का एक वर्ग शंकराचार्य के समर्थन में सामने आया है और इसे सनातन परंपरा पर हमला बता रहा है। उनका कहना है कि ऐसे आरोपों से न सिर्फ एक व्यक्ति, बल्कि पूरी संत परंपरा की छवि धूमिल होती है। वहीं कुछ धार्मिक संगठनों का मत है कि आरोप गंभीर हैं और निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। आंकड़ों के अनुसार, यूपी में दर्ज पॉक्सो मामलों में करीब 9 से 10 प्रतिशत मामलों में आरोपी सामाजिक रूप से प्रभावशाली या धार्मिक संस्थाओं से जुड़े पाए गए हैं, जिससे ऐसे मामलों में विवाद और राजनीतिक दबाव बढ़ जाता है।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि उत्तर प्रदेश में धर्म आधारित मुद्दे हमेशा चुनावी रणनीति का अहम हिस्सा रहे हैं। 2017 और 2022 के विधानसभा चुनावों में धार्मिक ध्रुवीकरण ने बड़ी भूमिका निभाई थी। अब जबकि 2027 का विधानसभा चुनाव दूर नहीं है, ऐसे विवादों का असर धीरे-धीरे जमीन पर दिखने लगेगा। सपा इसे सत्ता की कथित दमनकारी नीति और संतों के अपमान के रूप में पेश कर रही है, जबकि भाजपा इसे न्यायिक प्रक्रिया बताकर अपने ऊपर लगे राजनीतिक आरोपों से बचने की कोशिश कर रही है। फिलहाल जांच शुरूआती दौर में है और कानूनी प्रक्रिया को पूरा होने में लंबा समय लग सकता है। लेकिन इतना तय है कि शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद पर दर्ज एफआईआर अब सिर्फ एक कानूनी कार्रवाई नहीं रह गई है। यह उत्तर प्रदेश की राजनीति में धर्म, सत्ता और जनभावनाओं के टकराव का बड़ा प्रतीक बन चुकी है। आने वाले महीनों में जैसे-जैसे जांच आगे बढ़ेगी और नए तथ्य सामने आएंगे, वैसे-वैसे इस विवाद का राजनीतिक तापमान और बढ़ेगा, और इसका असर सूबे की राजनीति पर लंबे समय तक महसूस किया जाएगा।

बीजेपी से नाराज ब्राह्मणों पर सभी दलों का दांव

-संजय सक्सेना

उत्तर प्रदेश की राजनीति में बीस साल लंबा वक्त होता है. इतने समय में चेहरे बदलते हैं, नारे बदलते हैं, गठबंधन टूटते-बनते हैं, लेकिन कुछ बुनियादी सच जस के तस रहते हैं. जाति, सामाजिक संतुलन और सत्ता तक पहुंचने की जद्दोजहद. साल 2007 में जिस सोशल इंजीनियरिंग ने सत्ता का ताला खोला था, करीब दो दशक बाद वही प्रयोग बदले पैकेज में फिर लौटता दिख रहा है. फर्क बस इतना है कि अब हालात ज्यादा जटिल हैं, मतदाता ज्यादा सजग हैं और सियासी खिलाड़ी एक-दूसरे की चाल पहले से बेहतर समझते हैं.2027 के विधानसभा चुनाव को अभी वक्त है, लेकिन मैदान अभी से सज चुका है. हर दल अपने-अपने स्तर पर उस वोट बैंक की तलाश में है, जो सत्ता की सीढ़ी का आखिरी पायदान बन सकता है. इस पूरी कवायद के केंद्र में एक बार फिर ब्राह्मण वोटर आ खड़ा हुआ है. उत्तर प्रदेश की आबादी में करीब बारह फीसदी हिस्सेदारी रखने वाला यह वर्ग लंबे समय से किसी एक पार्टी का स्थायी वोट बैंक नहीं रहा. कभी सत्ता के साथ, कभी असंतोष में, कभी खामोशी से और कभी मुखर होकर इस वर्ग ने सियासत की दिशा बदली है.

करीब उन्नीस साल पहले बहुजन राजनीति की अगुआ मायावती ने दलित-ब्राह्मण गठजोड़ का जो प्रयोग किया था, उसने यह साबित कर दिया था कि अगर सामाजिक समीकरण सधे हों तो सियासी गणित ध्वस्त भी हो सकता है. 2007 की जीत उसी प्रयोग की देन थी. लेकिन समय के साथ वही फामूर्ला कमजोर पड़ता गया. दलित-मुस्लिम समीकरण आजमाया गया, फिर दोबारा ब्राह्मणों की ओर हाथ बढ़ाया गया, लेकिन बीएसपी का जनाधार सिमटता चला गया. 2022 में पार्टी एक सीट पर आ गई. यह गिरावट खुद बताती है कि सिर्फ नारे और प्रतीक काफी नहीं होते, जमीन पर भरोसा भी चाहिए.इसी बदले हुए माहौल में सोशल इंजीनियरिंग 2.0 की चर्चा शुरू हुई है. इस बार प्रयोग सिर्फ एक दल नहीं कर रहा. समाजवादी पार्टी, बीएसपी, बीजेपी और उनके सहयोगी सभी अपने-अपने तरीके से ब्राह्मण वोटर की नब्ज टटोल रहे हैं. फर्क यही है कि अब दलित वोटर को केंद्र में रखने के बजाय कई जगह ओबीसी वोटर को मुख्य धुरी बनाया जा रहा है और ब्राह्मण को उसके साथ जोड़ने की कोशिश हो रही है.

इस पूरी सियासत में सबसे दिलचस्प और आक्रामक एंट्री हुई है सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी की. पार्टी के मुखिया ओम प्रकाश राजभर ने आजमगढ़ से जो संदेश दिया है, वह सिर्फ एक रैली भर नहीं है. आजमगढ़ वही इलाका है, जिसे समाजवादी पार्टी का अभेद्य किला माना जाता रहा है. यहां से मुलायम सिंह यादव और अखिलेश यादव सांसद रह चुके हैं. आज भी जिले की सभी विधानसभा सीटों पर समाजवादी पार्टी का कब्जा है. ऐसे इलाके में ब्राह्मणों की बड़ी रैली करना सीधे तौर पर सपा के सामाजिक आधार को चुनौती देना है.राजभर की रैली में ब्राह्मण समाज के सम्मान की बात हुई, परशुराम और सुहेलदेव के नारे लगे, यूजीसी के नए नियमों से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक के मुद्दे उठे. संदेश साफ था कि यह सिर्फ भावनात्मक अपील नहीं, बल्कि पढ़े-लिखे, नौकरीपेशा और प्रभावशाली ब्राह्मण वर्ग को भरोसा देने की कोशिश है. मंच से यह भी जताया गया कि न्याय और सम्मान की लड़ाई में सरकार और अदालत दोनों दरवाजे खुले हैं. यह भाषा सीधे उस वर्ग से संवाद करती है, जो खुद को दिशा देने वाला मानता है.

इस रणनीति का एक और पहलू है. राजभर का निशाना बार-बार समाजवादी पार्टी पर रहा. संदेश यह कि आजमगढ़ में जो भीड़ जुटी है, वह सिर्फ समर्थन देने नहीं, बल्कि सपा के दबदबे को तोड़ने आई है. यह दावा जितना राजनीतिक है, उतना ही मनोवैज्ञानिक भी. चुनाव से पहले अगर किसी क्षेत्र में यह धारणा बन जाए कि मुकाबला अब एकतरफा नहीं रहा, तो वोटर का व्यवहार बदलने लगता है.उधर, समाजवादी पार्टी भी हाथ पर हाथ धरे नहीं बैठी. पीडीए यानी पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक का जो फॉमूर्ला लोकसभा चुनाव 2024 में असरदार साबित हुआ, उसी को आगे बढ़ाने की तैयारी है. लेकिन साथ ही ब्राह्मणों के बीच संदेश देने की कोशिशें भी दिख रही हैं. विधानसभा में नेता विपक्ष के तौर पर माता प्रसाद पांडेय की नियुक्ति, पूर्वांचल के प्रभावशाली ब्राह्मण परिवारों से मुलाकातें और सोशल मीडिया के जरिए दिए जा रहे संकेत इसी दिशा में पढ़े जा रहे हैं.

बीजेपी के लिए स्थिति और भी नाजुक है. सत्ता में होने के फायदे हैं, लेकिन एंटी-इनकंबेंसी का दबाव भी. पार्टी के भीतर ब्राह्मण बनाम ठाकुर की चचार्एं सामने आ चुकी हैं. कुछ ब्राह्मण विधायकों की बैठक और उस पर नेतृत्व की नाराजगी ने साफ कर दिया कि अंदरखाने खींचतान है. बरेली से लेकर प्रयागराज तक सामने आए विवादों ने इस असंतोष को और हवा दी. यही वजह है कि उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक जैसे चेहरे प्रतीकात्मक कदमों के जरिए ब्राह्मण समाज को साधने की कोशिश करते नजर आए.कांग्रेस इस पूरी बहस में अपेक्षाकृत खामोश है. एक तरफ राहुल गांधी की ओबीसी राजनीति, दूसरी तरफ समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन की मजबूरी. कभी उत्तर प्रदेश में ब्राह्मणों की पहली पसंद रही कांग्रेस अब असमंजस में दिखती है. क्या वह दोबारा उस वर्ग की ओर खुले मन से लौट पाएगी, या मौजूदा लाइन पर ही चलेगी, यह वक्त बताएगा.

असल सवाल यह है कि क्या ब्राह्मण वोट बैंक आज भी किसी सोशल इंजीनियरिंग का निर्णायक आधार बन सकता है. आंकड़े बताते हैं कि सवर्ण आबादी करीब बीस फीसदी है, जिसमें ब्राह्मण सबसे बड़ा हिस्सा हैं. लेकिन यह वोट हमेशा जाति के आधार पर एकजुट नहीं होता. उम्मीदवार, क्षेत्रीय समीकरण, स्थानीय मुद्दे और सत्ता का माहौल सब मिलकर फैसला तय करते हैं. यही कारण है कि ब्राह्मण राजनीति जोखिम भरी भी है और जरूरी भी.2027 की ओर बढ़ते उत्तर प्रदेश में सियासत अब सिर्फ नारों की नहीं, बल्कि धैर्य, संगठन और भरोसे की परीक्षा बनती जा रही है. सोशल इंजीनियरिंग 2.0 का शोर तेज है, लेकिन उसका नतीजा इस बात पर निर्भर करेगा कि कौन सा दल प्रतीकों से आगे जाकर जमीनी हकीकत को साध पाता है. ब्राह्मण वोटर इस बार भी निर्णायक हो सकता है, लेकिन किसके पक्ष में, यह अभी पूरी तरह खुला सवाल है.

क्लिक के दलदल में फँसा समाजः गालियों से ग्रोथ, शोर से शोहरत

-डॉ. सत्यवान सौरभ

डिजिटल दुनिया कभी ज्ञान, संवाद और रचनात्मकता की प्रयोगशाला मानी जाती थी। यह विश्वास था कि इंटरनेट लोकतंत्र को मजबूत करेगा, हाशिये पर खड़े लोगों को आवाज देगा और असली प्रतिभा को पहचान दिलाएगा। लेकिन आज जब हम स्क्रीन पर उँगली चलाते हैं, तो एक अलग ही सच सामने आता है। यहाँ हुनर से ज्यादा हंगामा बिकता है, विचार से ज्यादा विवाद और मेहनत से ज्यादा मीम। FÔcebook और Instagram जैसे मंचों पर वायरल होना सफलता की कसौटी बन चुका है। सवाल यह नहीं कि लोग मशहूर क्यों हो रहे हैं, सवाल यह है कि हम किस तरह की मशहूरी को पुरस्कार बना रहे हैं।

डिजिटल प्लेटफॉर्म का पूरा ढांचा ध्यान के व्यापार पर टिका है। जितनी देर आप स्क्रीन पर टिके रहेंगे, उतना अधिक मुनाफा पैदा होगा। इस गणित में शोर सबसे सस्ता और असरदार हथियार है। ऊँची आवाज, उग्र भाषा, भड़काऊ हावभाव और अति-नाटकीयता – यही वह मुद्रा है जिसे एल्गोरिद्म सबसे ज्यादा पसंद करते हैं। जो व्यक्ति ठहराव से, तर्क से और संयम से बात करता है, वह भीड़ में गुम हो जाता है, जबकि तमाशा करने वाला मंच के बीचोंबीच बैठा होता है।

यह केवल कंटेंट की समस्या नहीं है, बल्कि प्रोत्साहन की है। जब प्लेटफॉर्म वही दिखाते हैं जो क्लिक दिलाता है, तो रचनाकार भी वही बनाने को मजबूर होता है। इस दौड़ में गुणवत्ता पीछे छूट जाती है और उत्तेजना आगे बढ़ती जाती है। धीरे-धीरे यह एक आदत बन जाती है, और आदत अंततः संस्कृति में बदल जाती है। कभी हुनर का अर्थ था – अभ्यास, अनुशासन और धैर्य। आज हुनर का मतलब है ट्रेंड पकड़ लेना। कोई सड़क पर नाचकर मशहूर है, कोई गालियाँ देकर बोल्ड कहलाता है, कोई निजी जीवन को सार्वजनिक तमाशा बनाकर रियल होने का दावा करता है। असली प्रश्न यह नहीं कि ये लोग क्यों देखे जा रहे हैं, बल्कि यह है कि समाज किस तरह के आदर्श गढ़ रहा है। यह नया मापदंड युवाओं के मन में एक खतरनाक संदेश बैठा रहा है – कि शॉर्टकट ही सफलता है। अगर

आप शांत हैं, तो आप उबाऊ हैं। अगर आप गहरे हैं, तो आप अप्रासंगिक हैं। यह सोच न केवल कला और ज्ञान का अपमान है, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी जहरीली है। युवा खुद को लगातार तुलना के आईने में देखने को मजबूर है, जहाँ आत्मसम्मान लाइक्स और व्यूज की संख्या से तय होता है। डर इस बात का है कि आने वाली पीढ़ी किताबें ज्ञान के लिए नहीं, बल्कि कंटेंट के लिए पढ़े। इतिहास, साहित्य और दर्शन अब सीखने के साधन नहीं, बल्कि विवाद पैदा करने की सामग्री बनते जा रहे हैं। लंबी सोच, संदर्भ और नैतिकता – इन सबको बोरिंग कहकर किनारे किया जा रहा है। जबकि सच यह है कि ज्ञान कभी त्वरित नहीं होता। वह समय मांगता है, धैर्य मांगता है और असहज सवालों से जूझने की ताकत मांगता है। आज सच बोलने वाले के पास अक्सर सन्नाटा होता है। उसकी बातों में सनसनी नहीं होती, उसके निष्कर्ष तुरंत तालियाँ नहीं बटोरते। दूसरी ओर, तमाशा करने वालों के पास मेला होता है – लाइक्स, शेयर, फॉलोअर्स और ब्रांड डील्स। यह असंतुलन खतरनाक है, क्योंकि समाज शोर से नहीं, संवाद से आगे बढ़ता है। जब संवाद की जगह शोर ले लेता है, तो बहस तमाशा बन जाती है और असहमति दुश्मनी।

युवावर्ग इस पूरे परिदृश्य में सबसे ज्यादा उलझन में है। एक ओर रोजगार की अनिश्चितता, दूसरी ओर डिजिटल चमक का झूठा वादा। उसे बताया जा रहा है कि पहचान पाने का सबसे तेज रास्ता विवाद है। मेहनत, अध्ययन और धैर्य – ये सब धीमे रास्ते हैं, जबकि दुनिया तुरंत नतीजे चाहती है। इस जल्दबाजी की कीमत युवा थकान, अकेलेपन और अंदरूनी खालीपन के रूप में चुका रहा है। अक्सर यह मान लिया जाता है कि प्लेटफॉर्म तटस्थ हैं, लेकिन सच्चाई यह है कि एल्गोरिद्म नैतिक नहीं होते। वे केवल लक्ष्य देखते हैं, और लक्ष्य है – अधिक समय, अधिक ध्यान। इसलिए वे वही दिखाते हैं जो हमें बाँधे रखे, चाहे वह नफरत हो, झूठ हो या खोखला मनोरंजन। ऐसे में ज़िम्मेदारी केवल प्लेटफॉर्म की नहीं, हमारी भी है। हम जो देखते हैं, वही बढ़ता है। हम जिसे साझा करते हैं, वही फैलता है।

इस सर्कस से बाहर निकलने का रास्ता कोई त्वरित समाधान नहीं है। यह एक धीमी लेकिन जरूरी क्रांति है। डिजिटल साक्षरता, गहरी सामग्री को सम्मान, ईमानदार रचनाकारों का समर्थन और अपने देखने-साझा करने के चुनावों के प्रति सजगता – यही वह रास्ता है जिससे दिशा बदली जा सकती है। असहमति को शालीनता के साथ जगह देना और तर्क को ट्रोलिंग पर तरजीह देना भी इसी प्रक्रिया का हिस्सा है।

डिजिटल संसार का सर्कस बन जाना महज एक टिप्पणी नहीं, बल्कि चेतावनी है। सर्कस मनोरंजन देता है, दिशा नहीं। समाज को दिशा चाहिए – ज्ञान से, विवेक से और नैतिक साहस से। अंततः सवाल युवाओं से ही हैः आप इस मेले का हिस्सा बनना चाहते हैं, या उस सन्नाटे के गवाह – और वाहक – जो सच के लिए जरूरी है?

फैसला आज का है, असर आने वाले कल पर पड़ेगा। शोर आसान है, अर्थ गढ़ना कठिन। लेकिन इतिहास हमेशा उन लोगों को याद रखता है, जिन्होंने कठिन रास्ता चुना।

रंग जो दिलों तक उतर जाएँ

-प्रियंका सौरभ

भारत की सांस्कृतिक परंपरा में होली केवल एक त्योहार नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता और मानवीय संबंधों का जीवंत उत्सव है। यह वह अवसर है जब रंगों के बहाने मन के भीतर जमी धूल को झाड़ने, रिश्तों में आई दरारों को भरने और जीवन में नई ऊर्जा भरने का अवसर मिलता है। होली हमें याद दिलाती है कि जीवन की असली खूबसूरती बाहरी रंगों में नहीं, बल्कि भीतर की भावनाओं में छिपी होती है। आज का समय तेज रफ्तार, प्रतिस्पर्धा और व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाओं का है। परिवार साथ रहते हुए भी दूर होते जा रहे हैं। संवाद की जगह औपचारिक संदेशों ने ले ली है और संवेदनाओं की जगह तर्क ने। छोटी-छोटी बातों पर मनमुटाव, अहंकार और गलतफहमियाँ रिश्तों के बीच दीवार खड़ी कर देती हैं। ऐसे में होली एक अवसर बनकर आती है–इन दीवारों को गिराने और अपनत्व के पुल बनाने का। होली का वास्तविक संदेश क्षमा, स्वीकार और समानता में निहित है। जब हम एक-दूसरे को रंग लगाते हैं, तो यह प्रतीक होता है कि हम भेदभाव, कटुता और दूरी को पीछे छोड़ रहे हैं। रंगों की यह परंपरा हमें सिखाती है कि जीवन में विविधता ही सुंदरता है। अलग-अलग स्वभाव, विचार और संस्कृतियाँ मिलकर ही समाज को समृद्ध बनाती हैं। यदि हम इन विविधताओं को स्वीकार कर लें, तो अधिकांश विवाद स्वयं समाप्त हो सकते हैं। मनमुटाव अक्सर संवाद की कमी से जन्म लेते हैं। हम अपनी बात कहने में देर कर देते हैं और दूसरे की बात सुनने का धैर्य खो बैठते हैं। त्योहार संवाद का स्वाभाविक अवसर प्रदान करते हैं। परिवार और मित्र जब एक साथ बैठते हैं, तो दिल की बातें खुलकर सामने आती हैं। एक सच्ची मुस्कान और एक आत्मीय आलिंगन वर्षों की दूरी को मिटा सकता है। होली हमें यही सहजता और खुलेपन का पाठ पढ़ाती है। डिजिटल युग में जुड़ाव का स्वरूप बदला है। सोशल मीडिया पर शुभकामनाओं की भरमार होती है, लेकिन वास्तविक मिलन कम होता जा रहा है। होली हमें स्क्रीन से बाहर निकलकर वास्तविक संबंधों को प्राथमिकता देने की प्रेरणा देती है। रंगों से सना चेहरा और हँसी से भरा वातावरण उस आत्मीयता को जन्म देता है, जिसे कोई आभासी माध्यम पूरी तरह नहीं दे सकता। परिवार के संदर्भ में होली का महत्व और भी बढ़ जाता है। यह पीढ़ियों को जोड़ने का अवसर है। बच्चे जब अपने बड़ों को हँसते-खेलते देखते हैं, तो उनके भीतर भी अपनत्व और सहयोग की भावना विकसित होती है। बुजुर्गों के अनुभव और युवाओं का उत्साह मिलकर उत्सव को संपूर्ण बनाते हैं। होली का यह सामूहिक स्वरूप परिवार को मजबूत और जीवंत बनाता है।

सामाजिक स्तर पर भी यह पर्व समरसता का संदेश देता है। जाति, वर्ग, भाषा या आर्थिक स्थिति की दीवारें रंगों के सामने फीकी पड़ जाती हैं। जब पूरा समाज एक साथ उत्सव मनाता है, तो आपसी अविश्वास कम होता है और सहयोग की भावना बढ़ती है। आज के समय में, जब समाज विभिन्न स्तरों पर विभाजन का सामना कर रहा है, होली जैसे पर्व सामाजिक एकता को सुदृढ़ करने का माध्यम बन सकते हैं। हालाँकि यह भी सच है कि समय के साथ त्योहारों में दिखावे और उपभोक्तावाद की प्रवृत्ति बढ़ी है। महंगे आयोजन, प्रदर्शन और सोशल मीडिया पर छवि निर्माण की होड़ ने त्योहारों की आत्मा को कहीं-कहीं आच्छादित कर दिया है। हमें यह समझना होगा कि होली का वास्तविक आनंद सादगी, आत्मीयता और सहभागिता में है। जब हम अपेक्षाओं और प्रतिस्पर्धा से मुक्त होकर उत्सव मनाते हैं, तभी उसकी सच्ची अनुभूति होती है। मानसिक स्वास्थ्य की दृष्टि से भी होली का महत्व कम नहीं है। तनाव और चिंता से भरे जीवन में यह पर्व हमें खुलकर हँसने, गाने और आनंद लेने का अवसर देता है। सकारात्मक भावनाएँ मन को हल्का करती हैं और नई ऊर्जा प्रदान करती हैं। जब हम गिले-शिकवे भुलाकर आगे बढ़ते हैं, तो भीतर एक शांति और संतोष का अनुभव होता है। होली आत्ममंथन का भी समय है। यह सोचने का अवसर है कि क्या हमने किसी को अनजाने में आहत किया है? क्या कोई ऐसा संबंध है जिसे हमने समय न देकर कमजोर होने दिया? यदि उत्तर हाँ है, तो यह पर्व सुधार का अवसर देता है। एक छोटी-सी पहल– एक फोन कॉल, एक मुलाकात या एक स्नेहिल संदेश–रिश्तों में नई जान फूंक सकता है। अंततः, होली हमें यह सिखाती है कि जीवन का असली रंग प्रेम और अपनत्व है। बाहरी रंग कुछ समय बाद फीके पड़ जाते हैं, लेकिन दिलों में भरे स्नेह के रंग स्थायी होते हैं। यदि हम इस त्योहार की भावना को अपने दैनिक जीवन में उतार लें, तो हर दिन एक उत्सव बन सकता है। आइए, इस होली पर हम यह संकल्प लें कि मनमुटाव को पीछे छोड़ेंगे, संवाद को मजबूत बनाएँगे और रिश्तों को प्राथमिकता देंगे। क्योंकि जब दिल जुड़ते हैं, तभी समाज सशक्त होता है और जीवन सचमुच रंगों से भर उठता है। होली केवल रंगों का नहीं, बल्कि भावनाओं का पर्व है– और यही इसे सबसे खास बनाता है।

मीरा भायंदर के नो हॉकर्स जोन में अवैध वसूली को लेकर रवि व्यास ने दी चेतावनी

भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा भायंदर शहर में नो-हॉकर जोन घोषित क्षेत्रों में अवैध रूप से फेरीवालों से शुल्क वसूली तथा अवैध बैठकों को संरक्षण दिए जाने का गंभीर मामला सामने आया है। इस संदर्भ में भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष नगरसेवक एड रवि व्यास ने मनपा आयुक्त को एक शिकायत पत्र लिखा पत्र में कहा गया है कि महानगरपालिका द्वारा घोषित नो-हॉकर जोन में भी ठेकेदार एवं उसके प्रतिनिधियों द्वारा फेरीवालों से अवैध शुल्क वसूला जा रहा है तथा उन्हें अनधिकृत रूप से बैठने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। इससे आम नागरिकों को यातायात बाधा, अतिक्रमण, असुविधा तथा कानून व्यवस्था संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। यह कृत्य स्ट्रीट वेंडर्स (Protection of Livelihood and Regulation of Street Vending) Act, 2014 तथा महानगरपालिका के नियमों का उल्लंघन है। नो-हॉकर जोन में किसी भी प्रकार की वसूली अथवा व्यवसाय की अनुमति देना पूरी तरह अवैध है। यदि प्रशासन द्वारा घोषित क्षेत्र में ही नियमों की खुलेआम अनदेखी हो रही है, तो यह अत्यंत गंभीर विषय है। एड रवि व्यास ने प्रशासन से निम्न मांगें की हैं: 1.संबंधित ठेकेदार के विरुद्ध तत्काल जांच के आदेश दिए जाएं। 2.जांच पूर्ण होने तक नो-हॉकर जोन में किसी भी प्रकार की शुल्क वसूली तत्काल रोकी जाए। 3.संबंधित अधिकारियों की भूमिका की भी जांच की जाए। 4.अवैध रूप से बैठाए गए फेरीवालों को हटाकर क्षेत्र को अतिक्रमण मुक्त किया जाए। 5. अधिकृत एवं नो-हॉकर जोन की सूची सार्वजनिक की जाए। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि इस विषय में शीघ्र कठोर कार्रवाई नहीं की गई, तो जनहित में उच्च अधिकारियों एवं सक्षम न्यायालय का दरवाजा खटखटाया जाएगा। मिरा-भाईंदर के नागरिकों के हितों की रक्षा हेतु प्रशासन से पारदर्शी एवं सख्त कदम उठाने की अपेक्षा की गई है।

कल्याण-डोंबिवली महानगर पालिका में तत्काल महासभा बुलाने की मांग: दीपेश म्हात्रे

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण डोंबिवली महानगरपालिका में नगरसेवक जीतकर पहुंचने के बाद भी महासभा न बुलाने से भाजपा नगरसेवक दीपेश म्हात्रे नाराज हैं। उन्होंने इस संबंध में महापौर हषार्ली चौधरी से भेंट कर एक निवेदन दिया है, कल्याण-डोंबिवली महानगरपालिका के 122 नगरसेवक 16 जनवरी को निर्वाचित हुए हैं और 3 फरवरी को हषार्ली चौधरी की महापौर पद पर नियुक्ति हुई है। तथापि, बीपीएमसी अधिनियम की प्रावधानों के अनुसार महानगरपालिका के कर एवं दरें 20 फरवरी से पूर्व निर्धारित करना अत्यावश्यक है। बावजूद इसके, अब तक इस संबंध में कोई भी महासभा आयोजित नहीं की गई है, जो कि अत्यंत खेदजनक है।

पिछले पाँच वर्षों से महानगरपालिका का कामकाज प्रशासक के माध्यम से चल रहा था। नागरिकों द्वारा लोकतांत्रिक प्रक्रिया से निर्वाचित 122 नगरसेवकों के होते हुए भी यदि ऐसे महत्वपूर्ण विषयों पर महासभा आयोजित नहीं की जाती, तो क्या फिर से प्रशासन का कारभार प्रशासक के हाथों में ही रहेगा ? ऐसा प्रश्न नगरसेवकों के मन में उत्पन्न हो रहा है। महासभा लोकतांत्रिक व्यवस्था की सर्वोच्च निर्णय-प्रक्रिया है और उसी के माध्यम से कर एवं दरें निर्धारित की जानी अपेक्षित हैं। इसमें विलंब होना नागरिकों के हित की दृष्टि से भी उचित नहीं है। दीपेश म्हात्रे ने मांग की है कि, तत्काल महासभा बुलाकर कर एवं दरें निर्धारित करने का विषय प्रस्तुत किया जाए। महानगरपालिका के आगामी बजट के लिए प्रशासन को आवश्यक निर्देश दिए जाएं। निर्वाचित सभी नगरसेवकों को उनके अधिकारों के अनुसार निर्णय-प्रक्रिया में सहभागी किया जाए।

एड. अशोक दुबे ने महाराष्ट्र और गोवा बार काउंसिल के लिए किया नामांकन

मुंबई (उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र और गोवा बार काउंसिल चुनाव की तारीख का ऐलान होने के साथ नामांकन की प्रक्रिया शुरू हो गई है, पूरे महाराष्ट्र और गोवा से अधिवक्ता अपना नामांकन करने के लिए अपने समर्थकों के साथ बार काउंसिल ऑफ महाराष्ट्र और गोवा के मुंबई कार्यालय में पहुंच रहे हैं। नामांकन करने की अंतिम तारीख 26 फरवरी तथा चुनाव की तारीख 24 मार्च है । मतगणना 7 अप्रैल को होगा। मुंबई उच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता, Advocates Association of Western India (AAWI) के आजीवन सदस्य अधिवक्ता अशोक कुमार दुबे ने भारी संख्या में उपस्थित अपने समर्थकों के साथ आज अपना नामांकन किया। उनके नामांकन का प्रस्ताव उनके कानूनी गुरु वरिष्ठ अधिवक्ता जयेश याज्ञनिक और राजनाथ पाठक ने किया। इस अवसर पर उपस्थित अधिवक्ताओं में एडवोकेट अनिल कुमार पांडे, एडवोकेट कमलेश मिश्रा, एडवोकेट अभिनव दुबे, एडवोकेट चिंतन, एडवोकेट अमित तिवारी, एडवोकेट राहुल पाटिल, एडवोकेट अंकित, एडवोकेट मृदुल, एडवोकेट अक्षय जाधव, मुकेश चौरसिया आदि का समावेश रहा।

कॉफी विथ सीईओ उपक्रम के तहत निपुण पालघर के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को किया गया सम्मानित

निपुण महाराष्ट्र व निपुण पालघर के अंतर्गत पुरस्कार वितरण समारोह उत्साहपूर्वक संपन्न

पालघर(उत्तरशक्ति)। जिला परिषद स्कूलों के विद्यार्थियों में गुणवत्ता, प्रतिस्पर्धात्मकता और आत्मविश्वास बढ़ाने के उद्देश्य से शिक्षा विभाग (प्राथमिक) के अंतर्गत निपुण महाराष्ट्र एवं निपुण पालघर गुणवत्ता विकास अभियान वर्ष 2025-26 के तहत पुरस्कार वितरण समारोह वीर बिरसा मुंडा सभागृह, जिला परिषद, पालघर में उत्साहपूर्वक संपन्न हुआ। जिला परिषद स्कूलों के विद्यार्थियों के लिए कार्यक्रम की विशेष थीम कॉफी विथ सीईओ रखी गई थी।

कार्यक्रम की शुरूआत राष्ट्रगान, राज्यगीत तथा हिंद की चादर गीत से की गई। इसके बाद डाइट के प्राचार्य संभाजी भोजने ने प्रस्तावना प्रस्तुत करते हुए अभियान के उद्देश्य, जिले में लागू किये गये विभिन्न शैक्षणिक उपक्रमों तथा गुणवत्ता वृद्धि की यात्रा की जानकारी दी। निपुण महाराष्ट्र अभियान के अंतर्गत कुल 23 स्कूलों को सम्मानित किया गया। इनमें 100 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाले 9 स्कूलों को सुपर स्कूल का दर्जा तथा 90 से 99 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाले 14 स्कूलों का समावेश था। निपुण पालघर के अंतर्गत 8 शिक्षकों और 9 स्कूलों का सम्मान किया गया। इस अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करने वाले 16 प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इनमें विज्ञान प्रदर्शनी में जिला स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थी एवं उनके मार्गदर्शक शिक्षक, कक्षा आठवीं छात्रवृत्ति परीक्षा में मेरिट सूची में स्थान प्राप्त करने वाले

विद्यार्थी एवं उनके मार्गदर्शक शिक्षक, इंस्पायर अवॉर्ड में सफलता प्राप्त करने वाले विद्यार्थी, तथा पिछले दो वर्षों में राज्य या जिला स्तर पर कला, खेल एवं विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त करने वाले विद्यार्थी एवं उनके मार्गदर्शक शिक्षक शामिल थे। स्वच्छ एवं हरित विद्यालय मानांकन प्राप्त करने वाले 8 स्कूलों को प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया। पानी की उपलब्धता, शौचालय सुविधा, साबुन से हाथ धोने की आदत, संचालन एवं रखरखाव, व्यवहार परिवर्तन और क्षमता निर्माण जैसे प्रमुख मानकों पर आधारित गहन मूल्यांकन के बाद स्कूलों का चयन किया गया।

मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे के मार्गदर्शन में तथा शिक्षा अधिकारी (प्राथमिक) सोनाली मातेकर और डाइट के प्राचार्य संभाजी भोजने के नेतृत्व में यह अभियान पूरे जिले में प्रभावी रूप से लागू किया गया। इस अवसर पर मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने डाइट के प्राचार्य संभाजी भोजने तथा जिला समन्वयक तानाजी डावरे को विशेष योगदान के लिए सम्मानित किया। अपने संबोधन में मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे ने कहा कि बच्चों को मिला यह सम्मान अनेक सफल यात्राओं का बीजारोपण होता है। ऐसे सम्मान से विद्यार्थियों को विभिन्न क्षेत्रों में आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है। शिक्षक अपने स्वयं के बच्चों से अधिक स्कूल के विद्यार्थियों की सफलता पर प्रसन्न होते हैं, क्योंकि पूरी पीढ़ी को गढ़ने की जिम्मेदारी शिक्षकों के हाथ में होती है। जिले के सभी स्कूलों के विद्यार्थी प्रगतिशील बनें, इसके लिए इस अभियान को प्रभावी और निरंतर रूप से लागू करने का कार्य शिक्षकों को ही करना होगा। कार्यक्रम में डाइट के प्राचार्य संभाजी भोजने, विनोबा ऐप ओपन लिंक फाउंडेशन के श्रीकांत सर, उपशिक्षणाधिकारी ब्रीजेश गुप्ता, जिला समन्वयक तानाजी डावरे, राज्य पुरस्कार प्राप्त शिक्षक प्रमोद पाटील तथा बड़ी संख्या में शिक्षक उपस्थित थे।

शिवसेना नेता राहुल कमलाकर पाटील ने सत्तारूढ़ भाजपा पर तीखा हमला बोला

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा भायंदर महानगरपालिका मुख्यालय के बाहर आयोजित कर वृद्धि के विरोध में प्रदर्शन करते समय राहुल कमलाकर पाटील ने कहा कि 60 से 66 प्रतिशत संपत्ति कर वृद्धि का निर्णय पूरी तरह जनविरोधी है और इससे मध्यमवर्गीय तथा पुनर्विकास की प्रतीक्षा कर रहे हजारों परिवारों पर आर्थिक बोझ पड़ेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि महासभा की विषय सूची में स्पष्ट उल्लेख के बिना इतना बड़ा प्रस्ताव पारित करना पारदर्शिता पर सवाल खड़ा करता है। पाटील ने चेतावनी दी कि जब तक कर वृद्धि का निर्णय वापस नहीं लिया जाता, तब तक शिवसेना का आंदोलन जारी रहेगा और इसे और व्यापक बनाया जाएगा।

काशी विश्वनाथ मंदिर का 14वां स्थापना दिवस रुद्राभिषेक, हवन व महाभंडारे के साथ संपन्न

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। शिवतेज मित्र मण्डल तथा केवट सामाजिक सेवा फाउंडेशन की ओर से पालघर जिले के बोईसर शहर अंतर्गत धर्मनगरी आजाद नगर में स्थित काशी विश्वनाथ मंदिर का 14वां स्थापना दिवस सत्यनारायण कथा, रुद्राभिषेक, हवन यज्ञ व महाभंडारे का आयोजन कर बड़े धूमधाम के साथ हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया।

काशी विश्वनाथ मंदिर के स्थापना दिवस कार्यक्रम की शुरूआत पुरोहित के द्वारा वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ की गई। उसके पश्चात मुख्य यजमान काशी विश्वनाथ मंदिर के संस्थापक तुलसीराम केवट सपत्नीक को पुरोहित द्वारा मंत्रोच्चारण के साथ

भगवान भोलेनाथ का रुद्राभिषेक, सत्यनारायण पूजा, हवन यज्ञ कराया गया। काशी विश्वनाथ मंदिर के स्थापना दिवस के मौके पर शिवतेज मित्र मण्डल तथा केवट सामाजिक सेवा फाउंडेशन की ओर महाप्रसाद रूपी विशाल भंडारे का आयोजन किया। जिसमें हजारों की संख्या में पुरुष, महिलाएं एवं बच्चे शामिल होकर महाप्रसाद ग्रहण करते हुए भगवान भोलेनाथ का आशीर्वाद प्राप्त किया। वहीं छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती के मौके पर काशी विश्वनाथ मंदिर एवं शीतला माता मंदिर के प्रांगण में उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर सभी उपस्थित जनों ने अभिवादन करते हुए हर्षोल्लास पूर्वक छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती मनाई। काशी विश्वनाथ मंदिर के स्थापना दिवस कार्यक्रम को सफल बनाने में कार्यक्रम के मुख्य आयोजक काशी विश्वनाथ मंदिर एवं शीतला माता मंदिर के संस्थापक, शिवतेज मित्र मण्डल अध्यक्ष, केवट सामाजिक सेवा फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष व भाजपा नेता तुलसीराम केवट, उद्योजक गिरजेश आर. सिंह, धर्मेंद्र शाह, राजीव रंजन सिंह, केशव यादव, मूरत सिंह, राजू यादव, सुरेश पाण्डेय, संजय मास्टर, सर्वेश सिंह, सुनील लांडे, आनंद परंडवाल, शिवाजी कदम, शिवकुमार विश्वकर्मा, हरिराम विश्वकर्मा, संतोष साहनी, संजय बावरे, बाबू सिंह, राम सिंह, आनंद महतो, सुर्यनारायण चौधरी, मनीष महतो, अजय ठाकुर, दिलीप सिंह, पप्पू सिंह, भरत सिंह, जेपी चौहान, कृष्णा साहनी, राजेश बिंद, विनय पाण्डेय, शिवलाल गुप्ता, बंसी गुप्ता, अर्जुन लिंगम, पवन यादव, अर्चना सिंह, अशोक कुमार सिंह, शैलेन्द्र माझी आदि का विशेष योगदान रहा।

वीरमाता जिजाऊ सेवा संस्था का भव्य शिवजन्मोत्सव उत्साह के साथ संपन्न

मुंबई (उत्तरशक्ति)। घाटकोपर (पश्चिम) स्थित सर्वोदय हॉस्पिटल के पीछे, भोसले चाल भीमनगर में वीरमाता जिजाऊ सेवा संस्था की ओर से शिवजन्मोत्सव 2026 बड़े उत्साह और धूमधाम के साथ मनाया गया। पूरा परिसर देशभक्ति नारों और शिवमय वातावरण से गूंज उठा।

कार्यक्रम के अंतर्गत बच्चों के लिए आकर्षक वेशभूषा प्रतियोगिता तथा पारंपरिक लेझीम प्रस्तुति का आयोजन किया गया। नन्हे-मुन्ने बच्चों ने छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन से जुड़े विभिन्न ऐतिहासिक प्रसंगों का प्रभावशाली मंचन कर उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। इस अवसर पर अमृतनगर से भीमनगर तक भव्य शिवज्योत दौड़ भी निकाली गई, जिसमें युवक-युवतियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और शिवभक्ति का संदेश दिया। महिलाओं के लिए हल्दी-कुमकुम समारोह का आयोजन कर सामाजिक एकता और सौहार्द को भी बढ़ावा दिया गया। कार्यक्रम का विशेष आकर्षण बच्चों द्वारा प्रस्तुत शिवव्याख्यान रहा। आर्या शिंदे, गार्गी भोसले,

काव्या भोसले, सौम्या भोसले, आराध्या शिंदे, प्रियांश शिंदे, शौर्य शिंदे और संचिता भोसले ने प्रभावशाली वक्तृत्व के माध्यम से छत्रपति शिवाजी महाराज के पराक्रम और आदर्शों का प्रेरणादायी वर्णन किया। उनके आत्मविश्वासपूर्ण प्रस्तुतीकरण पर उपस्थित लोगों ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ सराहना की। संस्था की अध्यक्षा रोशनी भोसले तथा प्रमुख मार्गदर्शिका मालती जाधव के नेतृत्व में यह आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। उनके सुव्यवस्थित नियोजन के कारण कार्यक्रम को प्रेरणादायी और अनुशासित स्वरूप प्राप्त हुआ।

मीरा भायंदर में 60% संपत्ति कर वृद्धि के खिलाफ शिवसेना का भीख मांगो आंदोलन, निर्णय वापस लेने तक संघर्ष जारी

उदयभान गुप्ता

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा भायंदर में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी द्वारा 60 प्रतिशत संपत्ति कर वृद्धि लागू किए जाने के विरोध में शिवसेना ने महानगरपालिका मुख्यालय के बाहर जोरदार भीख मांगो आंदोलन किया। शिवसेना ने इस निर्णय को आम नागरिकों, विशेषकर पुनर्विकास का सपना देख रहे मध्यमवर्गीय परिवारों के खिलाफ बताया।प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी करते हुए आरोप लगाया कि बहुमत के बल पर जनता पर आर्थिक बोझ डाला गया है। पार्टी नेताओं का दावा है कि 18 फरवरी 2026 की महासभा में कर वृद्धि का स्पष्ट विषय सूची में उल्लेख नहीं था, इसके बावजूद प्रस्ताव पारित किया गया। शिवसेना नेताओं ने सवाल उठाया कि जब शहर में गड्ढेयुक्त सड़कें, जलापूर्ति की समस्या और अन्य बुनियादी सुविधाओं की कमी बनी हुई है, तो

इतनी बड़ी कर वृद्धि क्यों की जा रही है? उनका कहना है कि पहले से ही रस्ता कर, पानी कर, सीवरेज कर, अग्निशमन कर और अन्य करों का बोझ नागरिकों पर है।

पुनर्विकास परियोजनाओं पर असर पार्टी का आरोप है कि यह वृद्धि केवल नई संपत्तियों तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि पुनर्विकास के तहत बनने वाली इमारतों पर भी लागू होगी, जिससे हजारों परिवारों पर अतिरिक्त आर्थिक दबाव पड़ेगा और अपने नए घर का सपना महंगा हो जाएगा। आंदोलन और तेज करने की चेतावनी शिवसेना ने स्पष्ट किया है कि जब तक 60% संपत्ति कर वृद्धि का निर्णय वापस नहीं लिया जाता, तब तक आंदोलन जारी रहेगा और आवश्यकता पड़ी तो इसे और व्यापक रूप दिया जाएगा। पार्टी ने शहरवासियों से इस संघर्ष में साथ देने की अपील की है। आंदोलन में शिवसेना के अनेक पदाधिकारी, पूर्व जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

दहानू में भूमि संबंधी मुद्दों को लेकर हिंदू संगठन करेंगे नगरपरिषद घेराव

पालघर(उत्तरशक्ति)। पालघर जिले के दहानू शहर में भूमि संबंधी मामलों को लेकर विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल तथा सकल हिंदू समाज की ओर से शुक्रवार 27 फरवरी 2026 को सुबह 10.30 बजे नगरपरिषद कार्यालय के घेराव का कार्यक्रम घोषित किया गया है। इस आंदोलन में साधु-संतों के मार्गदर्शन में बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं और नागरिकों के शामिल होने की संभावना जताई जा रही है।

संगठनों का कहना है कि वे प्रशासन के समक्ष कुछ संवैधानिक मांगें रखेंगे और भूमि उपयोग से संबंधित कथित अनियमितताओं पर कार्रवाई की मांग करेंगे। संगठन पदाधिकारियों के अनुसार, वे चाहते

हैं कि प्रशासन नियमों के अनुसार अवैध निमार्णों और भूमि अतिक्रमण के मामलों में उचित जांच कर कार्रवाई करे। सकल हिंदू समाज के प्रतिनिधियों ने प्रशासन से अपील की है कि वे कानून के दायरे में रहते हुए सभी शिकायतों पर निष्पक्ष कार्रवाई करें। उन्होंने यह भी कहा कि आंदोलन शांतिपूर्ण और संवैधानिक तरीके से किया जायेगा। इस बीच जिला प्रशासन व पुलिस विभाग ने कानून-व्यवस्था बनाये रखने के लिए आवश्यक तैयारियाँ शुरू कर दी हैं। पुलिस अधिकारियों ने नागरिकों से शांति बनाये रखने और अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की है। दहानू में इस घोषणा के बाद राजनीतिक और सामाजिक हलकों में चर्चा तेज हो गई है और स्थानीय नागरिक इस मुद्दे पर प्रशासन की अगली कार्रवाई पर नजर बनाये हुए हैं।

इंडिया इंटरनेशनल मोटर शो 2026 की घोषणा

मुंबई। भारत के ऑटोमोटिव सेक्टर में इंडिया इंटरनेशनल मोटर शो 2026 (आईआईएमएस) की घोषणा के साथ नए बड़े पैमाने के इंडस्ट्री प्लेटफॉर्म आईआईएमएस का लॉन्च होने जा रहा है। शो के पहले संस्करण का आयोजन 24 से 26 अप्रैल 2026 के बीच सिडको एक्जीहिबिशन एंड कन्वेंशन सेंटर में किया जाएगा। आईआईएमएस का आयोजन अग्रणी ऑटोमोटिव ओद्यौगिक संगठनों के सहयोग से परसेप्ट ग्रुप द्वारा किया जा रहा है।

व्यापक बी2बी और बी2सी प्लेटफॉर्म के रूप में इंडिया इंटरनेशनल मोटर शो को इस तरह से डिजाइन किया गया है कि यह संपूर्ण मोटर व्हीकल इकोसिस्टम को एक ही छत के नीचे लेकर आएगा। शो में पैसेंजर व्हीकल, कमर्शियल व्हीकल, इलेक्ट्रिक एवं हाइब्रिड मोबिलिटी, ऑटो कम्पोनेन्ट्स, एक्सेसरीज, ऑटो केयर, आफ्टरमार्केट समाधानों, सर्विस तकनीकों एवं संबंधित मोबिलिटी सर्विसेज को पेश किया जाएगा।

आईआईएमएस 2026 बिजनेस फोकस्ड इंडस्ट्री मार्केटप्लेस होगा। तीन दिनों के इस कार्यक्रम में ओईएम अनावरण, फ्यूचर मोबिलिटी का प्रदर्शन, टियर 1 सोर्सिंग जोन, क्युरेटेड बी2बी मैचमेकिंग, इन्वेस्टर इंटरैक्शन और लाईव डेमो होंगे। उम्मीद है कि यह प्लेटफॉर्म देश-विदेश से ओईएम, आपूर्तिकताओं, टेक्नोलॉजी फर्मों, स्टार्ट-अप्स, एमएसएमई, फ्लीट ऑपरेटरों, निवेशकों, नीति निमार्ताओं और उपभोक्ताओं को लुभाएगा। परसेप्ट आईसीई के चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर वैद्य अल्वा ने कहा, इंडिया इंटरनेशनल मोटर शो 2026 मोबिलिटी इकोसिस्टम के लिए महत्वपूर्ण बिंदु होगा, जहां इनोवेशन- मार्केट के वास्तविक अवसरों में बदलते हैं।

पश्चिमी भारत में लम्बे समय से विश्वस्तरीय ऑटोमोटिव प्लेटफॉर्म की कमी महसूस की जा रही थी। परसेप्ट में हमने इसी कमी को समझा और अपनी विशेषज्ञता के साथ नवी मुंबई में यह प्लेटफॉर्म लेकर आए हैं।

शहर में तेजी से विकसित होते इन्फ्रास्ट्रक्चर के बीच आईआईएमएस 2026 प्रोग्रामों के लॉन्च, वाताओं, और लाईव टेक डेमो के जरिए विकास को गति प्रदान करेगा और भारत में फ्यूचर मोबिलिटी के लिए नए शक्तिशाली हब की स्थापना करेगा। अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी के मानकों के अनुरूप डिजाइन किया गया आईआईएमएस 2026 मल्टी-लेयर्ड फोर्मेट पर आधारित होगा।

महाराष्ट्र सरकार ने महा एग्री-एआई नीति के तहत फाइंडेबिलिटी साइंसेज का चयन किया

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार द्वारा परिवर्तनकारी महा एग्री-एआई नीति 2025-2029 के अंतर्गत नवाचार वित्तपोषण और रणनीतिक सहयोग हेतु फाइंडेबिलिटी साइंसेज प्राइवेट लिमिटेड को आधिकारिक रूप से शॉर्टलिस्ट किया गया है। यह दूरदर्शी राज्य नीति संपूर्ण कृषि पारिस्थितिकी तंत्र में कृत्रिम बुद्धिमत्ता, जेनरेटिव एआई तथा उन्नत डिजिटल प्रौद्योगिकियों की शक्ति को प्रभावी रूप से उपयोग में लाने के उद्देश्य से तैयार की गई है। महा एग्री-एआई नीति एक महत्वाकांक्षी रोडमैप प्रस्तुत करती है, जिसका उद्देश्य प्रौद्योगिकी-सक्षम और किसान-केंद्रित कृषि परिवर्तन को गति देना है। यह नीति उत्पादकता में वृद्धि, जलवायु लचीलापन सुदृढ़ करने, किसानों की आय बढ़ाने तथा विकसित भारत@2047 के दृष्टिकोण और संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों में योगदान देने पर केंद्रित है। नवाचार वित्तपोषण के माध्यम से महाराष्ट्र सरकार राज्य को एआई-आधारित कृषि नवाचार का राष्ट्रीय अग्रणी केंद्र बनाने तथा कृषि समुदायों के लिए सतत आर्थिक विकास का आदर्श स्थापित करने का लक्ष्य रखती है। राज्य स्तर पर अंतिम स्वीकृति चरण के लिए फाइंडेबिलिटी साइंसेज का चयन, बड़े पैमाने पर मापनीय प्रभाव प्रदान करने वाले एंटरप्राइज एआई, उन्नत विश्लेषण और क्षेत्र-विशिष्ट डिजिटल समाधानों के क्षेत्र में उसकी गहरी विशेषज्ञता की मान्यता है।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय:
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामी: शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालय: मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

युवक का शव मिलने से क्षेत्र में हड़कंप, परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप

-कालीम अहमद

सरायख्वाजा,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के मंगलवार की सुबह पोटरिया मोड़ के पास एक व्यक्ति का शव मिलने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। मौके पर पुलिस पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और जांच पड़ताल में जुट गई। बता दें कि लपरी गांव निवासी बाबूराम बिंद का पुत्र राधे श्याम बिंद का शव घर एक किमी दूर पोटरिया मोड पास मिलने से क्षेत्र में दहशत मच गई। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जानकारी मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। परिजनों और स्थानीय लोगों ने हत्या की आशंका जताई है।

जौनपुर में रोजगार का महाकुंभ

28 फरवरी को आईटीआई सिद्धीकपुर में वृहद रोजगार मेला, 60+ कंपनियां देंगी 3000 नौकरियां

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। युवा शक्ति को रोजगार से जोड़ने की दिशा में जिला प्रशासन ने बड़ा कदम उठाया है। जिलाधिकारी डा0 दिनेश चन्द्र ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट परिसर से 28 फरवरी 2026 को राजकीय आईटीआई सिद्धीकपुर में आयोजित होने वाले वृहद रोजगार मेले के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए एलईडी युक्त ह्यरोजगार रथह्ण को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। जिलाधिकारी ने बताया कि मेले के सफल आयोजन और अधिक से अधिक अभ्यर्थियों की सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए जनपद की सभी तहसीलों, ब्लॉकों एवं ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित शिक्षण संस्थानों में सघन प्रचार अभियान चलाया जा रहा है। एलईडी प्रचार वाहन के माध्यम से युवाओं को मेले की तिथि, स्थान और उपलब्ध अवसरों की जानकारी दी जाएगी।

इस वृहद रोजगार मेले में राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर की 60 से अधिक प्रतिष्ठित कंपनियां प्रतिभाग करेंगी। करीब 3000 से अधिक रिक्तियों पर भर्ती की जाएगी, जिसमें चयनित अभ्यर्थियों को 12,000 से 35,000 प्रतिमाह तक का वेतनमान प्रदान किया जाएगा। जिला प्रशासन का उद्देश्य है कि अधिकाधिक शिक्षित एवं तकनीकी दक्ष युवाओं को उनके कौशल के अनुरूप रोजगार उपलब्ध कराया जाए।

इस अवसर पर जिला विकास अधिकारी, जिला सेवायोजन अधिकारी, सहायक सेवायोजन अधिकारी, प्रधानाचार्य राजकीय आईटीआई, जिला सूचना अधिकारी, जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी एवं कौशल विकास विभाग से संबंधित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। जिला प्रशासन ने युवाओं से अपील की है कि वे 28 फरवरी को अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर रोजगार के इस सुनहरे अवसर का लाभ उठाएं।

बिना किसी वैध कारण के आवेदन अस्वीकृत करने वाली बैंक शाखाओं की तय की जाएगी जिम्मेदारी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित जनसुनवाई कक्ष में मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास योजना की समीक्षा बैठक संपन्न हुई। समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी के द्वारा बैंकवार सीएम युवा उद्यमी विकास योजना की प्रगति की समीक्षा करते हुए निर्देश दिया गया कि जिन बैंक शाखाओं के द्वारा बिना किसी वैध कारण के सबसे अधिक आवेदन अस्वीकृत किया गया है, उनकी जिम्मेदारी तय की जाएगी। इसके साथ ही पीएम स्वनिधि योजना की भी समीक्षा की और अधिक से अधिक आवेदन स्वीकृत करने के निर्देश दिए गये। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वि0/रा0 परमानंद झा, एलडीएम अभय श्रीवास्तव, सहायक आयुक्त उद्योग जय प्रकाश, प्रबन्धक गौरव कुमार सहित अन्य उपस्थित रहे।

मणिकर्णिका घाट की तर्ज पर बनेगा पिलकिच्छा घाट: विधायक

विधायक रमेश सिंह ने ब्लॉक प्रमुख एवं अधिकारियों के साथ खुटहन स्थित पिल्किच्छा घाट का किया स्थलीय निरीक्षण

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। खुटहन विकासखंड क्षेत्र के पिलकिछा घाट के पुनर्निर्माण एवं सौंदर्यीकरण को लेकर मंगलवार को विधायक रमेश सिंह ने खुटहन के ब्लॉक प्रमुख बृजेश यादव के साथ पिल्किच्छा घाट का स्थलीय निरीक्षण किया। घाट को मणिकर्णिका घाट की तर्ज पर एक आधुनिक एवं सुव्यवस्थित स्वरूप प्रदान करने के लिए विस्तृत चर्चा की। विधायक ने इसके लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। विधायक रमेश सिंह ने बताया कि पिलकिछा घाट को मणिकर्णिका घाट की तर्ज पर विकसित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस घाट को आधुनिक सुविधाओं से लैश एक आदर्श स्थल के रूप में विकसित किया जाएगा। विधायक ने बताया कि प्रस्तावित योजना अंतर्गत सुव्यवस्थित शवदाह स्थल, आकर्षक पार्क एवं हरित क्षेत्र, समुचित प्रकाश व्यवस्था, बदलापुर-शाहगंज मार्ग से घाट तक 6 मीटर चौड़ी सीसी सड़क का निर्माण होगा। इसके अलावा शुद्ध पेयजल व्यवस्था, संपूर्ण घाट पर वाराणसी के घाटों की तर्ज पर पत्थर बिछाने का कार्य तथा व्यवस्थित दुकानों को स्थापित कराया जाएगा।

युवक ने फाँसी लगाकर मौत को लगाया गले

-विशाल सोनी

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मंगलवार को नगर के नई आबादी स्थित चौहान बस्ती निवासी लगभग 28 वर्षीय युवक सन्दीप चौहान पुत्र वीरेंद्र चौहान ने संदिग्ध परिस्थितियो में बिजली के तार के सहारे पंखे से लटक कर फाँसी लगा ली। जिससे उसकी मौत हो गयी। घर वालो को पता चलने पर दरवाजा तोड़कर शव को नीचे उतारा गया।और उपचार हेतू सामुदायिक स्वास्थ केंद्र लाया गया। जहां चिकित्सकों ने प्रथम दृष्टया मृत घोषित कर दिया। मौत की खबर से परिजनों में कोहराम मच गया। इस सम्बन्ध में पूछे जाने पर सामुदायिक स्वास्थ केंद्र के अधीक्षक डॉक्टर रफीक फारूकी ने बताया की अस्पताल में एक युवक को उसके परिजन लाये थे।गले पर फंदे का निशान था। सीपीआर आदि दिया गया मगर उसकी मौत पहले ही हो चुकी थी। वही इस सम्बंध में सीओ अजीत सिंह चौहान से पूछने पर उन्होंने बताया की मामला संज्ञान में आया है प्रथम दृष्टया फांसी लगाकर मौत हुई है।

विवाद में लाइसेंसी असलहे से खुद को मारी गोली, मौके पर हुई मौत

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जलालपुर थाना क्षेत्र के मझगवां खुर्द गांव में किसी बात को लेकर घर वालो से विवाद हो गया। विवाद बढ़ता गया और अंत में आक्रोशित होकर उसने लाइसेंसी रिवाल्वर से खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। जानकारी के अनुसार संजय यादव पुत्र राजनारायण किसी बात से नाराज होकर आत्महत्या कर लिया। उसने घर में रखी लाइसेंसी रिवाल्वर से खुद को गोली मार ली। गोली की आवाज सुनते ही परिजन कमरे में गए और वहां का नजारा देखकर दंग रह गए। इस वारदात से परिजन में कोहराम मच गया। सूचना मिलने पर जलालपुर थाने की पुलिस मौके पर पहुंच गई और शव को कब्जे में लेकर अग्रिम कार्रवाई में जुट गई है।

औचक निरीक्षण से हड़कंप: डीएम डॉ. दिनेश चंद्र ने परखा बोर्ड परीक्षा केंद्र, नकल पर जीरो टॉलरेंस की चेतावन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद की हाईस्कूल व इंटरमीडिएट बोर्ड परीक्षा-2026 को नकलविहीन, पारदर्शी एवं सकुशल संपन्न कराने के उद्देश्य से जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र ने मंगलवार को तहसील सदर क्षेत्र अंतर्गत पंचशील इंटर कॉलेज, फतेहगंज में बनाए गए परीक्षा केंद्र का औचक निरीक्षण किया। डीएम के अचानक पहुंचने से परीक्षा केंद्र पर हड़कंप की स्थिति बन गई।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने केंद्र पर लगे सीसीटीवी कैमरों की क्रियाशीलता की गहनता से जांच की और कंट्रोल रूम का निरीक्षण कर निगरानी व्यवस्था की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने परीक्षार्थियों के बैठने की व्यवस्था, प्रश्नपत्रों की सुरक्षा, स्ट्रांग रूम की स्थिति तथा ड्यूटी पर तैनात कक्ष निरीक्षकों की उपस्थिति का भी परीक्षण किया।

डीएम ने स्पष्ट निर्देश दिए कि शासन की मंशानुरूप परीक्षा पूरी तरह नकलविहीन और पारदर्शी ढंग से संपन्न कराई जाए। उन्होंने कहा कि किसी भी स्तर पर लापरवाही या नकल की शिकायत मिलने पर संबंधित अधिकारियों व कर्मचारियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने केंद्र व्यवस्थापक को निर्देशित किया कि परीक्षा की शुचिता बनाए रखने में किसी प्रकार की ढिलाई न बरती जाए तथा सभी व्यवस्थाएं मानक के अनुरूप संचालित हों।

यादव जी की लव स्टोरी फिल्म को लेकर, युवा यादव महासभा आक्रोशित

सोमवार को एक प्रतिनिधिमंडल ने जिलाधिकारी से मुलाकात सौंपा ज्ञापन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। युवा यादव महासभा के जिलाध्यक्ष उमा राज यादव के नेतृत्व में सोमवार को एक प्रतिनिधिमंडल ने जिलाधिकारी से मुलाकात की और भोजपुरी फिल्मों में बढ़ती अश्लीलता तथा जाति विशेष को लक्षित कर बनाई जा रही फिल्मों के विरोध में मुख्यमंत्री, प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति के नाम संबोधित एक ज्ञापन सौंपा।

सामाजिक सौहार्द बिगड़ने का अंदेशा

जिलाधिकारी कार्यालय पर मीडिया से बात करते हुए जिलाध्यक्ष उमा राज यादव ने कहा कि वर्तमान में कुछ फिल्म निमार्ता और अभिनेता व्यावसायिक लाभ के लिए किसी विशेष जाति या समाज को केंद्र में रखकर फिल्में बना रहे हैं। उन्होंने कहा, ऐसी फिल्मों से समाज में गलत संदेश जा रहा है और इससे सामाजिक सौहार्द बिगड़ने का खतरा है। किसी भी जाति विशेष को निशाना बनाकर फिल्म बनाना पूरी तरह गलत है।

भोजपुरी सिनेमा में बढ़ती अश्लीलता पर चिंता

यादव ने पुरानी भोजपुरी फिल्मों का उदाहरण देते हुए कहा कि 'नदिया के पार' जैसी फिल्में पूरे परिवार के साथ बैठकर देखी जा सकती थीं। लेकिन आज की भोजपुरी फिल्मों में अश्लीलता इतनी बढ़ गई है कि उन्हें परिवार के साथ देखना असंभव हो गया है। उन्होंने सरकार से मांग की है कि ऐसे फिल्म निमार्ताओं और अभिनेताओं पर नकेल कसी जाए जो समाज की मयार्दा को ताक पर रख रहे हैं।

प्रथम प्रयास में पीयू के दो विद्यार्थियों ने CSIR-NET में मारी बाजी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के विज्ञान संकाय अंतर्गत सूक्ष्मजीवविज्ञान विभाग के लिए यह अत्यंत गौरव और हर्ष का विषय है कि एम.एससी. माइक्रोबायोलॉजी के दो प्रतिभाशाली विद्यार्थियों मोहम्मद अदनान एवं नामीरा खान ने प्रतिष्ठित CSIR-NET दिसंबर 2025 परीक्षा को प्रथम प्रयास में उत्तीर्ण कर महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। दोनों विद्यार्थियों ने अपनी कड़ी मेहनत, निरंतर अध्ययन, अनुशासन एवं दृढ़ संकल्प के बल पर यह उल्लेखनीय सफलता अर्जित की। CSIR-NET जैसी राष्ट्रीय स्तर की प्रतिस्पर्धी परीक्षा में प्रथम प्रयास में सफलता प्राप्त करना न केवल व्यक्तिगत उपलब्धि है, बल्कि विभाग एवं विश्वविद्यालय के लिए भी गौरव का विषय है। इस उत्कृष्ट सफलता पर सूक्ष्मजीवविज्ञान विभाग के प्राध्यापकों, शोधार्थियों, सहपाठियों एवं समस्त विश्वविद्यालय परिवार ने दोनों विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। विभागाध्यक्ष एवं शिक्षकों ने विश्वास व्यक्त किया कि यह उपलब्धि अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत सिद्ध होगी और वे भी उच्च शैक्षणिक लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रेरित होंगे।

विस्टा इन स्टे के बाहर मारपीट, पुलिस ने संभाला मोर्चा

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के हुकुलगंज स्थित विस्टा इन स्टे (होटल) के बाहर देर शाम हंगामा हो गया। सूत्रों के अनुसार होटल में मौजूद कुछ युवक अचानक सड़क पर आए और एक युवक के साथ मारपीट करने लगे। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों का कहना है कि होटल में पार्किंग की समुचित व्यवस्था नहीं होने के कारण आए दिन सड़क पर विवाद की स्थिति बनती रहती है। बताया जा रहा है कि मारपीट करने वाले युवक नशे में थे, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी लालपुर-पांडेयपुर राजीव सिंह मौके पर पहुंच कर स्थिति को नियंत्रित किया। सभी संबंधित युवकों को थाने ले जाया गया है। मामले की जांच जारी है। से भी होटल में कैमरे लगे है अब देखना यह है कि वह चल रहे है या खराब पड़े है उसी से स्पस्ट हो जायेगा मामले क्या था।

किशोर को लापता होने के 10 घन्टे बाद पुलिस ने किया बरामद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जफराबाद क्षेत्र के समसखानपुर गांव निवासी किशोर अनुज भारती को गायब होने की प्राथमिकी दर्ज होने के 10 घन्टे के अन्दर जफराबाद पुलिस ने बरामद कर उसके परिजनों को उसे सौंप दिया। थाना प्रभारी श्रीप्रकाश शुक्ला ने बताया कि समसखानपुर निवासी निशा पत्नी तेजबहादुर ने जफराबाद थाने पर तहरीर दिया था कि उनका पुत्र 21 फरवरी की शाम को सामान लेने बाजार गया हुआ था और वापस नही लौटा । परिजन एक दिन की खोजबीन के बाद 23 फरवरी की सुबह पुलिस को सूचना दी। तहरीर के आधार पर केस दर्ज कर विवेचना उ0नि0 राधेश्याम सिंह को सौप दी गयी। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए किशोर को 10 घन्टे के अन्दर ही जफराबाद स्टेशन से उसे बरामद कर उसके परिजनों को सौंप दिया। पुलिस की तत्परता का बखान करते हुए निशा ने थाना पुलिस को धन्यवाद दिया।

माँ गौरा को लगेगी नौ दुर्गा मंत्रों से अभिमंत्रित हल्दी, 27 को निकलेगी दिव्य पालकी यात्रा

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद में महाशिवरात्रि पर शिव विवाह की रस्म के बाद रंगभरी एकादशी तक बाबा और माता गौरा के गौना के लोकाचार की परंपरा निभाई जाएगी। बाबा की पालकी यात्रा निकाली जाएगी। माता की गौना की रस्में मंगलवार से शुरू हो जाएंगी। टेढ़ीनीम स्थित पूर्व महंत के आवास गौरा-सदनिका में नौ गौरी और नौ दुर्गा के आह्वान मंत्रों से अभिमंत्रित पावन हल्दी माता गौरा को अर्पित की जाएगी। दुगार्कुंड मंदिर से माता की हल्दी गाजेबाजे के साथ पूजा स्थल पर पहुंचेगी। पूर्व महंत स्व. कुलपति तिवारी के पुत्र व आयोजक पं. वाचस्पति तिवारी ने महंत आवास पर पत्रकारों को बताया कि रंगभरी (अमला) एकादशी पर बाबा विश्वनाथ की ऐतिहासिक पालकी यात्रा निकाली जाएगी। माता गौरा के गौने की रस्में मंगलवार से 27 फरवरी रंगभरी एकादशी तक निभाई जाएगी। मंगलवार को शाम 6:45 बजे से टेढ़ीनीम स्थित पूर्व महंत के आवास में हल्दी-तेल की रस्में निभाई जाएंगी। इसके पहले दुर्गा मंदिर में वैदिक ब्राह्मणों द्वारा विशेष अनुष्ठान के बाद नौ गौरी और नौ दुर्गा के आह्वान मंत्रों से हल्दी को विधिवत पूजित और अभिमंत्रित कर शोभायात्रा निकाली जाएगी, महंत आवास आने के बाद महिलाएं यही हल्दी मां गौरा को लगाएंगी। हल्दी अर्पण से पूर्व 11 वैदिक ब्राह्मणों द्वारा वेद मंत्रों के साथ विशेष पूजन होगा। शंख ध्वनि और घंटानाद के बीच मंडप में विराजमान गौरा की चल प्रतिमा को परंपरागत रीति से हल्दी चढ़ाई जाएगी। गवनहरियों की टोली पारंपरिक मंगलगीत और सोहर गाकर पूरे वातावरण को भक्तिमय बना देगी।

उन्होंने बताया कि रंगभरी एकादशी को ब्रह्म मुहूर्त में बाबा-माता गौरा और प्रथमेश का विशेष पूजन आचार्य सुशील त्रिपाठी के आचार्यत्व में होगा। सुबह नौ बजे भोग शृंगार के बाद नौ बजे से श्रद्धालुओं के लिए दर्शन शुरू हो जाएंगे। दोपहर 12:30 बजे भोग आरती होगी। शाम को पांच बजे बाबा विश्वनाथ की पालकी मंदिर से प्रस्थान करेगी और नगर भ्रमण पर निकलेगी। मार्ग में श्रद्धालु अबीर-गुलाल और पुष्पवर्षा से बाबा और गौरा का स्वागत करेंगे। बाबा विश्वनाथ माता गौरा को ससुराल से अपने धाम लाते हैं। कल पालकी पूजन और षोडशी शृंगार

गौना के निमित्त महंत आवास अब गौरा के मायके का रूप ले चुका है। 25 फरवरी को दोपहर तीन बजे बाबा का पालकी पूजन होगा और शाम को 6:30 बजे से षोडशी शृंगार होगा। पालकी की साफ-सफाई, रंग-रोगन और सजावट का कार्य पूर्ण हो गया है। शृंगार में पारंपरिक काशी शैली में रेशमी वस्त्र, स्वर्णाभूषण, पुष्पमालाओं और चंदन-रोली से सुसज्जित होने के बाद श्रद्धालुओं के दर्शन करेंगे।

त्यौहार से पहले जहर का कारोबार! शाहगंज में मिलावटखोरी बेलगाम

होली-ईद की आड़ में बाजारों में संदिग्ध मावा, मिठाई और रंग-गुलाल की भरमार, जांच एजेंसियां सुस्त

शाहगंज, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। होली और ईद जैसे पावन पर्व नजदीक आते ही शाहगंज के बाजार सज गए हैं, लेकिन इस चमक-दमक के पीछे मिलावटखोरी का काला सच भी तेजी से पैर पसार रहा है। रंग-बिरंगी मिठाइयों, मावा, खाद्य तेल और गुलाल की बिक्री चरम पर है, मगर शुद्धता की गारंटी कहीं नजर नहीं आ रही।

त्योहारी सीजन में अस्थायी दुकानों की बाढ़ आ गई है। बिना लेबल, बिना मानक और संदिग्ध गुणवत्ता वाले उत्पाद खुलेआम बिक रहे हैं। हैरानी की बात यह है कि जिम्मेदार विभाग की ओर से सघन जांच या बड़े पैमाने पर सैंपलिंग की ठोस कार्रवाई दिखाई नहीं दे रही।

औपचारिकता तक सीमित कार्रवाई?

स्थानीय लोगों का आरोप है कि हर साल की तरह इस बार भी जांच अभियान कागजों तक सीमित है। त्योहार सिर पर आने के बाद महज औपचारिक निरीक्षण कर खानापूर्ति कर दी जाती है। इससे मिलावटखोरों के हौसले बुलंद हैं और आम जनता की सेहत दांव पर लगी है।

खाद्य सुरक्षा से जुड़े विभाग से मांग की जा रही है कि त्योहार से पहले व्यापक अभियान चलाकर बाजार में बिक रहे मावा, मिठाइयों और रंग-गुलाल की त्वरित जांच कर रिपोर्ट सार्वजनिक की जाए।

त्योहार पर घर में खुशियां आती हैं, लेकिन मिलावटी सामान से बीमारी और खर्च बढ़ जाता है। बाजार में बिक रही मिठाइयों की शुद्धता पर भरोसा नहीं रहा।

अधिकारी त्योहार के ठीक पहले आते हैं और औपचारिक जांच कर चले जाते हैं। सख्त कार्रवाई नहीं होगी तो मिलावटखोरों पर लगाम कैसे लगेगी?

रंग और गुलाल में केमिकल की मिलावट आंखों और त्वचा के लिए बेहद खतरनाक हो सकती है। वहीं मिलावटी खोया और मिठाइयों से पेट, किडनी और गंभीर बीमारियों का खतरा बढ़ता है। सावधानी बेहद जरूरी है।

आपस में कहासुनी पर युवक ने फांसी लगाकर दी जान

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नगर के नई आबादी मोहल्ला के डाक बंगला रोड स्थित चौहान बस्ती निवासी युवक ने पत्नी से मामूली कहासुनी को लेकर फांसी लगा ली। युवक की मौत से परिवार में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बताया जाता है कि उक्त मोहल्ला निवासी संदीप चौहान (35) पुत्र वीरेंद्र चौहान शराब के नशे का आदी था, जिसके चलते पूर्व में उसकी हालत काफी खराब हो गई थी। जिसके ईलाज से परिवार आर्थिक तंगी से परेशान था। इसी बात को लेकर मंगलवार की सुबह शराब पीकर घर लौट युवक से पत्नी की कहासुनी हो गई। बताते हैं कि इसी बात से नाराज युवक कमरे में पहुंचकर रस्सी का फंदा बनाकर पंखे के सहारे झूलकर अपनी ईहलीला समाप्त कर ली। घटना की जानकारी मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। लोग उसे लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे, जहां चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज कर घटना की जांच में जुटी रही।

विधि में 52, विधि अर्थशास्त्र में 08 अभ्यर्थी हुए शामिल

सहायक आचार्य संविदा भर्ती परीक्षा संपन्न

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में सहायक आचार्य (संविदा) भर्ती प्रक्रिया के अंतर्गत आयोजित लिखित परीक्षा शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग मंगलवार को संपन्न हो गई। परीक्षा में विधि विषय के लिए 52 अभ्यर्थियों ने भाग लिया, जबकि विधि (अर्थशास्त्र) विषय में 08 परीक्षार्थी सम्मिलित हुए।

विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा परीक्षा की पारदर्शिता एवं निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए व्यापक प्रबंध किए गए थे। परीक्षा केंद्र पर प्रवेश से पूर्व अभ्यर्थियों की सघन जांच की गई तथा निर्धारित समय पर प्रश्नपत्र वितरित किए गए। संपूर्ण परीक्षा प्रक्रिया सीसीटीवी निगरानी में संपन्न कराई गई, जिससे पारदर्शिता बनी रहे। कुलपति प्रोफेसर वंदना सिंह परीक्षा नियंत्रक के साथ स्वयं परीक्षा केंद्र का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने कक्ष निरीक्षकों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए तथा अभ्यर्थियों से संवाद कर परीक्षा की पारदर्शिता एवं सुविधा के संबंध में जानकारी प्राप्त की। निरीक्षण के दौरान व्यवस्थाएं संतोषजनक पाई गईं। परीक्षा के केंद्राध्यक्ष डॉक्टर अमरेंद्र सिंह ने कहा कि परीक्षा में विधि विषय के लिए 52 अभ्यर्थियों ने भाग लिया, जबकि विधि (अर्थशास्त्र) विषय में 08 परीक्षार्थी सम्मिलित हुए।

होली से पहले मिलावट पर प्रहार: जौनपुर में 93 प्रतिष्ठानों पर छापा, 19 नमूने जांच को भेजे गए

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। आगामी होली पर्व को देखते हुए मिलावटी खाद्य एवं पेय पदार्थों के भंडारण व बिक्री पर रोक लगाने के उद्देश्य से खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग ने जनपद में विशेष प्रवर्तन अभियान तेज कर दिया है। आयुक्त, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, उ.प्र., लखनऊ के आदेश एवं जिलाधिकारी के निर्देश के अनुपालन में 19 फरवरी से 28 फरवरी 2026 तक चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत लगातार कार्रवाई की जा रही है।

सहायक आयुक्त (खाद्य)-द्वितीय ने बताया कि 24 फरवरी को खाद्य सचल दल में शामिल खाद्य सुरक्षा अधिकारियों द्वारा जनपद जौनपुर के विभिन्न बाजारों में सघन निरीक्षण किया गया। इस दौरान 19 खाद्य प्रतिष्ठानों की जांच करते हुए खोया का 01 नमूना, कचरी का 01 नमूना एवं भैंस के दूध का 01 नमूना सहित कुल 03 नमूने संग्रहित कर जांच हेतु खाद्य विश्लेषक को प्रेषित किए गए।

निरीक्षण के दौरान साफ-सफाई व अन्य कमियों के चलते 06 प्रतिष्ठानों को सुधार नोटिस जारी किया गया।

फूड सेफ्टी ऑन व्हील के जरिए मौके पर जांच

खाद्य कारोबारकर्ता एवं उपभोक्ता जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत फूड सेफ्टी ऑन व्हील के माध्यम से जलालपुर चौराहा एवं सीतम सराय स्थित प्रतिष्ठानों पर भी जांच अभियान चलाया गया। यहां 28 खाद्य पदार्थों के नमूनों की मौके पर जांच कर रिपोर्ट से अवगत कराया गया। इस दौरान 18 खाद्य कारोबारकताओं एवं 58 उपभोक्ताओं को जागरूक किया गया। मौके पर जांच में मानक के विपरीत पाए गए एक नमूने के सापेक्ष तत्काल विधिक कार्रवाई करते हुए भैंस के दूध का नमूना संग्रहित कर खाद्य विश्लेषक को भेजा गया।

अभियान में अब तक की कार्रवाई

19 फरवरी से 24 फरवरी 2026 तक जनपद के कुल 93 खाद्य प्रतिष्ठानों का सघन निरीक्षण किया जा चुका है। इस दौरान विभिन्न खाद्य पदार्थों के कुल 19 नमूने जांच हेतु भेजे गए हैं। साफ-सफाई व अन्य खामियों के चलते 24 प्रतिष्ठानों को सुधार नोटिस जारी किए गए हैं। खाद्य सुरक्षा विभाग ने स्पष्ट किया है कि होली पर्व तक यह अभियान निरंतर जारी रहेगा और मिलावटखोरों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

रेलवे ट्रैक पर मिला अज्ञात महिला का शव क्षेत्र फैली सनसनी

जौनपुर (उत्तरशक्ति) । सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के बहाउद्दीनपुर गांव के समीप मंगलवार की शाम रेलवे ट्रैक पर एक महिला का शव मिलने से हडकंप मच गया।सूचना पर पहुंची रेलवे पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर विधिक कार्रवाई प्रारंभ कर दी है। वाराणसी-फैजाबाद रेल प्रखंड पर स्थित बहाउद्दीनपुर गांव के पास रेलवे ट्रैक पर मंगलवार शाम करीब 6 बजे एक अज्ञात महिला का शव दिखने के बाद ग्रामीणों ने घटना की जानकारी रेलवे पुलिस को दे दी।जीआरपी प्रभारी अजय कुमार ने बताया की महिला जामुनी कलर की साड़ी पहनी हुई है जिसकी उम्र लगभग 35 वर्ष के आसपास होगी।शव को कब्जे में लेकर विधिक कार्रवाई की जा रही है।

दो अलग अलग घटनाओं में तीन लोग झुलसे

जौनपुर (उत्तरशक्ति) । हाई टेंशन तार पर पड़े चाइनीस मांझा पकड़ लेने से किशोरी गंभीर रूप से झुलस गई, और गर्म सेवई के शरीर पर पड़ने से दो बच्चे जल गए। सभी का उपचार अलग-अलग अस्पतालों में चल रहा है। बताया जाता है कि शहर कोतवाली क्षेत्र के बड़ी मस्जिद मोहल्ला निवासी विनोद कुमार की 13 वर्षीय पुत्री गौरी सोमवार लगभग 8:00 बजे रात्रि अपने घर के बारजे पर खड़ी थी इसी दौरान ऊपर से गुजरे 11000 हजार हाई टेंशन तार पर चाइनीस मांझा लटक रहा था। उसी को गौरी ने पकड़ लिया जिसके चलते करंट लगने से वह गंभीर रूप से झुलसने के साथ वह शाक लगने से अचेत हो गई। परिजन उसे तुरंत जिला अस्पताल पहुंचाएं यहां पर चिकित्सक ने प्राथमिक उपचार करने के पश्चात हालत गंभीर देखकर उसे बीएचयू के लिए रेफर कर दिया। दूसरी तरफ तेजी बाजार थाना क्षेत्र के चितौरी गांव निवासी संदीप कुमार का पुत्र आशीष उम्र लगभग 6 वर्ष अंश उम्र लगभग 10 वर्ष लकड़ी के चूल्हे पर सेवई पककर रखी हुई थी। इसी दौरान आशीष कढ़ाई को उठाकर चूल्हे से नीचे उतार रहा था। हांथ से कढ़ाई छूटने के चलते दोनों भाइयों के ऊपर गर्म सेवई के पड़ जाने से दोनों भाई झुलस गए। तुरंत परिजन दोनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए यहां पर चिकित्सक ने दोनों का प्राथमिक उपचार करने के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया यहां पर दोनों का उपचार चल रहा है।

नीट परीक्षा को लेकर बेटे ने की पिता की नृशंस हत्या, शव को ड्रम में छिपाया

लखनऊ (उत्तरशक्ति) । आशियाना के सेक्टर एल में रहने वाले शराब कारोबारी व पैथालॉजी संचालक मानवेंद्र सिंह (49) की उन्हीं के बेटे अक्षत प्रताप सिंह (21) ने गोली मारकर हत्या कर दी। इसके बाद शव के टुकड़े कर दोनों हाथ व पैर पारा के सदरौना इलाके में फेंक दिए। सिर सहित धड़ घर के भीतर ड्रम से बरामद किया गया है। पुलिस ने बेटे के खिलाफ हत्या और साक्ष्य छिपाने की धारा में प्राथमिकी दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। डीसीपी मध्य विक्रांत वीर के मुताबिक 21 फरवरी को आशियाना थाने पर मानवेंद्र सिंह की गुमशुदगी की शिकायत मिली थी। पुलिस ने सचिवालय सुरक्षा में तैनात मानवेंद्र के भाई अरविंद कुमार से मामले की जानकारी ली। इसके बाद अक्षत से पूछताछ की तो पता चला कि मानवेंद्र बेटे पर नीट परीक्षा की तैयारी का दबाव बना रहे थे। 20 फरवरी को सुबह 4:30 बजे इसी बात को लेकर पिता-पुत्र में विवाद हो गया। गुस्से में आकर अक्षत ने पिता को लाइसेंसी राइफल से गोली मार दी। मानवेंद्र की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के वक्त अक्षत की छोटी बहन कृति अपने कमरे में सो रही थी। आवाज सुनकर वह कमरे में पहुंची तो पिता का शव कमरे में पड़ा था। मानवेंद्र के पिता सुरेंद्र पाल सिंह सेवानिवृत्त दरोगा हैं। वह जालौन में रहते हैं। घटना सूचना पर आशियाना पहुंच गए हैं। पुलिस ने शव के टुकड़ों को पोस्टमार्टम हाउस में रखवाया है। हाथ और पैर बरामद कर लिए गए हैं। वारदात मकान के तीसरे तल पर हुई। पूछताछ में आरोपी ने पुलिस को बताया कि हत्या के बाद वह शव को घसीटते हुए भूतल पर लाया। यहां खाली कमरे में शव रख दिया। इसके बाद शव को ठिकाने लगाने का प्लान बनाया।

पहले कार में लादकर गोमती नदी में फेंकने की साजिश रची, लेकिन शव का वजन ज्यादा था। इससे वह अकेले ऐसा नहीं कर पाया। इसके बाद आरी खरीदकर लाया और पिता के शव के टुकड़े कर दिए। धड़ ठिकाने नहीं लगा सकने पर नीला ड्रम खरीदकर लाया और उसमें डाल दिया। इससे पहले कि अक्षत धड़ को ठिकाने लगाता उसकी करतूत उजागर हो गई। पड़ोसियों को छानबीन करता देख अक्षत घबरा गया। उसे आभास हुआ कि पड़ोसियों को उस पर शक हो गया है। इसके बाद सोमवार दोपहर दो बजे उसने पिता के करीबी दोस्त सोनू को फोन किया। अक्षत ने उनसे कहा कि अंकल, पापा ने आत्महत्या कर ली है। यह सुनकर सोनू भागकर मानवेंद्र के घर पहुंचे। परिजनों के मुताबिक सोनू ने अक्षत से पूछताछ शुरू की तो उसने बताया कि 20 फरवरी को पापा ने सुसाइड कर लिया था। सोनू ने देर से जानकारी देने पर उसे डांट लगाई। फटकार के बाद कड़ाई से पूछताछ की तो अक्षत टूट गया और पूरी कहानी बताई। इसके बाद उसे हिरासत में ले लिया गया। खास बात यह है कि मानवेंद्र के भाई अरविंद उसी मकान में दूसरे तल पर परिवार के साथ रहते हैं। वारदात के वक्त भी वह दूसरे तल पर थे। हालांकि, सुबह होते ही परिवार के साथ जालौन चले गए। डीसीपी का कहना है कि कई बिंदुओं पर छानबीन की जा रही है। छानबीन में सामने आया है कि चार माह पहले मानवेंद्र के मकान से कीमती गहने चोरी हो गए थे। उन्होंने कामवाली पर शक जताते हुए थाने में शिकायत की थी। हालांकि, बाद में उन्हें पता चला कि जेवर कामवाली ने नहीं चोरी किए हैं। बेटे की करतूत छिपाने के लिए उन्होंने थाने से शिकायत वापस ले ली थी। इसके बाद से वह बेटे की गतिविधियों पर नजर रख रहे थे। 22 फरवरी को तड़के उन्होंने अक्षत को पढ़ाई के लिए समझाया था, जिसके बाद उसने वारदात को अंजाम दे दिया। परिजनों ने बताया कि अक्षत ने एक कोचिंग से नीट की तैयारी की थी। वह दो बार परीक्षा भी दे चुका था, पर सफल नहीं हो पाया था। मानवेंद्र की चार पैथालॉजी और तीन शराब की दुकानें हैं। अक्षत ने लामार्ट से 12वीं की पढ़ाई की है। अक्षत प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी भी कर रहा था। पूछताछ में बताया कि पिता उस पर नीट निकालने के लिए दबाव बना रहे थे। घटना के समय बातचीत के दौरान उसने इसकी तैयारी करने से मना कर दिया था। इस पर मानवेंद्र भड़क गए और उस पर लाइसेंसी राइफल तान दी थी। आरोपी ने पुलिस को बताया कि राइफल छीनने की कोशिश के दौरान पिता को गोली लग गई। हालांकि, पिता के शव के टुकड़े करने के सवाल पर उसने चुप्पी साध ली। पुलिस के मुताबिक पिता ने रात में अक्षत को समझाया और फिर बिस्तर पर लेट गए। बगल में राइफल रखी थी, जिसे उठाकर अक्षत ने मानवेंद्र के सिर में गोली मार दी। अगले दिन वह बिस्तर, चादर व खून से सना तकिया कार में रखकर अमौसी पहुंचा और फिर बिस्तर में आग लगा दी।

शादी के दो दिन बाद ही विवाहिता की मौत

गोरखपुर(उत्तरशक्ति) । पीपीगंज थानाक्षेत्र में शादी की खुशियों के महज दो दिन बाद 21 वर्षीय नवविवाहिता सीमा की संदिग्ध हालात में मौत से इलाके में सनसनी फैल गई। मायके पक्ष ने ससुराल वालों पर दहेज के लिए हत्या का आरोप लगाया है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाकर मामले की जांच कर रही है। पिपराइच थाना क्षेत्र के ग्राम सभा रत्नपुर निवासी कमल प्रभा देवी की बेटी सीमा का विवाह 20 फरवरी को पीपीगंज थाना क्षेत्र के ग्राम बढ़नी निवासी मनोज के साथ हुई। परिजनों ने बताया कि विवाह में सामर्थ्य अनुसार दान-दहेज दिया गया। 21 फरवरी को सीमा की विदाई हुई और वह अपने ससुराल बढ़नी पहुंची। बताया जाता है कि 22 फरवरी की शाम अचानक सीमा की तबीयत बिगड़ने की सूचना उसके मायके पक्ष को दी गई। ससुराल वालों ने उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज ले जाया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही सीमा के माता-पिता अस्पताल पहुंचे। आरोप है कि वहां पहुंचने पर ससुराल पक्ष के लोग शव छोड़कर मौके से चले गए। मृतका की मां कमल प्रभा देवी ने पीपीगंज पुलिस को सूचना देते हुए आरोप लगाया कि विवाह के बाद से ही उनकी बेटी को दहेज के लिए प्रताड़ित किया जा रहा था। इसी के चलते उनकी बेटी की हत्या की गई। उन्होंने ससुराल पक्ष के खिलाफ तहरीर देकर कड़ी कार्रवाई की मांग की। सीओ कैंपियरगंज अनुराग सिंह ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का स्पष्ट पता चलेगा।

वजीफा खाने वालों को विद्या नही प्राप्त होती है : प्रेमभूषण महाराज

-लाल शेखर सिंह

वसई (उत्तर शक्ति) । आओ गायें रामकथा घर घर में₹ अध्यात्मिक आंदोलन की देश विदेश तक अलख जगाने वाले, मानस के सिद्ध साधक, व्यवहार घाट के ओजस्वी प्रवक्ता, क्रन्तिकारी संत प्रेममूर्ति पूज्यश्री प्रेमभूषण महाराज के व्यासत्व में बिजेन्द्र रामचंद्र सिंह द्वारा आयोजित 21फरवरी से 1मार्च तक वसंत नगरी ग्राउण्ड, वसई पूर्व में नौ दिवसीय मानस महाकुंभ में प्रेममूर्ति पूज्यश्री प्रेमभूषण महाराज ने कहा कि, कलिकाल में भगवान की कथा करवाना बहुत ही कठिन है।आपको पहले यह पता होना चाहिए कि हम इस धरती पर आये क्यों हैं? जिसको इसकी जानकारी नही है वह स्वयं के लिए बड़ी समस्या है।वजीफा प्राप्त करके स्वादिष्ट भोजन करने व वालों को विद्या की प्राप्ति नही होती है,विद्या तो विवेक उपजाने से आती है।भगवान के सगुण और निर्गुण रूप में कोई भिन्नता नही है।

जीवन में लक्ष्य का निर्धारण कर-के उसे साध्य बना लेना चाहिए।

पूज्यश्री प्रेमभूषण महाराज ने इस मानस महाकुंभ के आयोजक बिजेंद्र रामचंद्रसिंह की प्रशंसा करते हुए कहा कि गंगा जी जहाँ जहाँ से बहती हैं वहाँ तीर्थ बन जाता है उसी प्रकार रामकथा गंगा भी जहाँ प्रवाहित होती हैं वहाँ तीर्थ बन जाता है।व्यापारिक व्यस्तता के बाद भी बिजेन्द्र सिंह और उनकी धर्मपत्नी श्रीमती मीरा बिजेन्द्र सिंह ने अपनी आध्यात्मिक यात्रा में गति करते हुए पाँचवी बार रामकथा गंगा की रचना बनाकर वसई क्षेत्र को तीर्थ बना दिया है,इसलिये रामकथा की मुख्य संकल्पी श्रीमती मीरा बिजेन्द्र सिंह साधुवाद की पात्र हैं। जायो कौशल्या जी ने लल्ला मुहल्ला में हल्ला सो मचि गयो, अवधघर आनंद भयो जय रघुवर लाल की सुबोधनंद गणेश पाटील, महेंद्र सिंह, दिनेश तिवारी, बंशराज सिंह, योगेंद्र सिंह कौशिक संतोष तिवारी

प्रेमभूषण महाराज ने श्रोताओं के अपार जन समूह के बीच रामजन्मोत्सव प्रसंग का सजीव चित्रण करते हुए सभी को मंगल बधाई देकर कथा सत्र को विराम दिया।

उल्लेखनीय है कि भजनात्मक रामकथा के लिए विश्वभर में सुप्रसिध्द प्रेममूर्ति पूज्यश्री प्रेमभूषण महाराज ने अपने वैशिष्ट्य के अनुसार रामकथा में प्रसंगानुसार श्रोताओं को लोकप्रिय भजनों का रसपान कराया जिसे सुनकर कथा में उपस्थित हर आयुवर्ग का श्रद्धालु थिरकता, झूमता, नृत्य करता नजर आ रहा था। रामकथा में श्रोताओं की अपार भीड़ के बीच हम रामजी के रामजी हमारे हैं सेवा ट्रस्ट मुम्बई के प्रधान गणेश अग्रवाल एवं सचिव अविनाश मिश्रा, सुबोधानंद महाराज,गणेश पाटील, महेंद्र सिंह, रामजानकी ट्रस्ट के दिनेश तिवारी, सुप्रसिद्ध व्यवसायी वंशराज सिंह, वरिष्ठ पत्रकार योगेंद्र सिंह कौशिक, संतोष तिवारी,आर. डी. सिंह,अमित सिंह मास्टर, सनी सिंह,श्रीमती अशोका तिवारी, समाजसेविका सुधा दूबे, निशा शर्मा,प्रिया सिंह रेखा गुप्ता, सरिता चौबे, कथा की व्यवस्था को संभालने वाले प्रिंस बिजेन्द्र सिंह आदि गणमान्य जनों ने भी मानस महाकुंभ में अवगाहन करके पुण्य लाभ प्राप्त किया।

गैलेक्सी एआई ने मल्टी-एजेंट इकोसिस्टम का किया विस्तार

पटना । सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स ने अपने गैलेक्सी इकोसिस्टम में गैलेक?सी एआई का विस्तार करते हुए 'मल्टी-एजेंट इकोसिस्टम' को और मजबूत करने की घोषणा की है। कंपनी का उद्देश्य यूजर्स को अधिक विकल्प, और बेहतर नियंत्रण देना है, ताकि वे अपने दैनिक कार्य कम मेहनत और अधिक स्वाभाविक तरीके से पूरे कर सकें। कंपनी के अनुसार, अब लोग अलग-अलग कामों के लिए कई तरह के एआई एजेंट्स का उपयोग कर रहे हैं। हालिया आंकड़ों के मुताबिक, 10 में से लगभग 8 यूजर्स दो या उससे अधिक एआई एजेंट्स पर निर्भर हैं। इसी बदलाव को देखते हुए, सैमसंग गैलेक?सी एआई को इस तरह विकसित कर रहा है कि यूजर अपनी पसंद और जरूरत के हिसाब से अलग-अलग इंटीग्रेटेड एआई अनुभवों को चुन सकें।

लाल शेखर सिंह उत्तरशक्ति के उपसंपादक प्रेम चंद मिश्रा से की मुलाकात

जौनपुर (उत्तरशक्ति) । लाल शेखर सिंह वरिष्ठ पत्रकार ब्यूरो चीफ मुम्बई से पधारे अपने मातृभूमि उत्तर प्रदेश जनपद जौनपुर ग्राम अमारी, पोस्ट महराजगंज तहसील बदलापुर पहुंचने पर दैनिक उत्तर शक्ति समाचार पत्र के उपसंपादक प्रेम चंद मिश्रा का हालचाल और स्वस्थ के बारे जानकारी लेने उनके आवास जनपद जौनपुर विकास खंड मछली शहर, पोस्ट पवारा बाजार पहुंचने पर दैनिक उत्तर शक्ति समाचार पत्र के उपसंपादक प्रेम चंद मिश्रा से शुभेच्छा भेंट की । हाल में ही प्रेम चंद मिश्रा अपने गांव पहुंचे थे। दिनांक 2 फरवरी 2026 को पैर में फ्रेक्चर होने के कारण तत्काल मुंगरा बादशाहपुर रुची अस्पताल में लाया गया। जहां से प्रयागराज रेफर कर दिया गया।प्रयागराज के प्रीती नर्सिंग होम में दिनांक 5 फरवरी को डॉ प्रमोद सिंह आर्थो सर्जन ने सफल आप्रेशन किया। उनके स्वास्थ्य संबंधी जानकारी लेने पहुंचे वरिष्ठ पत्रकार लाल शेखर सिंह, ए बी एस इंटरनेशनल स्कूल के डायरेक्टर बड़े भाई देवी प्रसाद सिंह भी साथ में पहुंचे ,और मिश्रा को शीघ्र स्वस्थ लाभ प्राप्त करें ईश्वर से प्रार्थना की।

त्यौहारों को लेकर पन्नूगंज थाने में पीस कमेटी की बैठक

थाना प्रभारी कुमुद शेखर सिंह ने शांति व्यवस्था पर की चर्चा

-सुशील कुमार तिवारी

सोनभद्र (उत्तरशक्ति) । रामगढ़, आगामी त्यौहारों होली, रमजान के मद्देनजर पन्नूगंज थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई यह बैठक पन्नूगंज थानाअध्यक्ष कुमुद शेखर सिंह की अध्यक्षता में हुई जिसमे सभी वर्गो के समुदाय लोग गांव के प्रधान और मस्जिद के मौलाना व सदर अन्य सम्मानित व्यक्ति शामिल हुवे थाना प्रभारी ने क्षेत्र के लोगो से अपील की यदि उन्हें किसी भी प्रकार की समस्या उत्पन्न होती है तो तुरंत प्रशासन को सूचना दे उन्होंने जोर दिया की आपसी सहयोग से ही त्योहार संपन्न होता है एवं आपसी सहमति बनाए रखे त्यौहारों के दौरान कोई भी बाधा उत्पन्न होती है तो तुरंत पुलिस को सूचना दे बैठक में थाना प्रभारी ने सख्त निर्देश दिए उन्होंने कहा कि मोटर साइकिल पर ट्रिपल सवारी करने वाले एवं सार्वजनिक स्थलों पर शराब पीकर हुडदंग मचाने वाले को बक्शा नहीं जायेगा ऐसी किसी भी तरह की गतिविधियों की सूचना पुलिस को दे डीजे संचालकों को भी निर्देशित किया गया डीजे गांव में घूम कर नही बजाया जायेगा डीजे की आवाज सीमित रखनी होगी इस अवसर पर थाना क्षेत्र के दर्जनों ग्राम प्रधान रामगढ़ मस्जिद के मौलाना व सदर आदि सम्मानित लोग उपस्थिति रहे।

अगले 3 वर्षों में देश के हर शहर में होगी 'भारत टैक्सी'

नई दिल्ली । नई दिल्ली की उस दोपहर में एक अलग तरह की ऊर्जा थी। देश के कोने-कोने से आए टैक्सी चालकों के बीच एक विचार आकार ले रहा था झ्र श्रम करने वाला ही मुनाफे का असली हकदार हो। यह कोई साधारण बैठक नहीं थी। यह सोच के बदलाव की शुरूआत थी। सहकारिता के असल योद्धा अमित शाह के विजन के केंद्र में एक सीधा प्रश्न था - सड़क पर दिन-रात मेहनत करने वाला व्यक्ति आखिर केवल कमिशन पर क्यों जिए? क्यों न वही मालिक बने? और यहीं से कहानी शुरू होती है ड्राइवर से सारथी बनने की। शाह ने जिस सोच को सामने रखा, उसमें ड्राइवर शब्द की जगह सारथी को प्रतिष्ठा देने का संकल्प था। यह केवल शब्द परिवर्तन नहीं, बल्कि सम्मान, स्वाभिमान और साझेदारी की नई परिभाषा गढ़ने का प्रयास था। सड़क पर पसीना बहाने वाला व्यक्ति केवल सेवा प्रदाता नहीं, बल्कि व्यवस्था का भागीदार और स्वाभिमान से भरा मालिक हो - यही इस पहल का मूल भाव है। अंत्योदय की राजनीति करने वाले अमित शाह की परिकल्पना में भारत टैक्सी किसी निजी कंपनी की तरह अधिकतम लाभ कमाने की दौड़ में शामिल नहीं है। इसके केंद्र में वह व्यक्ति है जो रोज सड़कों पर पसीना बहाता है। भारत टैक्सी की संरचना इस तरह गढ़ी गई है कि 500 रुपये का शेयर लेकर कोई भी सारथी मालिकाना हक का भागीदार बन सके। आने वाले तीन वर्षों में इसे देश के हर म्युनिसिपल कॉरपोरेशन तक पहुंचाने की रूपरेखा इस बात का संकेत है कि यह केवल एक सेवा नहीं, बल्कि सहकारिता के राष्ट्रीय आंदोलन का विस्तार है जो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सशक्त हुआ है। देश के हर अंतिम व्यक्ति को सशक्त बनाने वाले अमित शाह की सोच इस मॉडल के राजस्व ढांचे में भी दिखाई देती है। कहानी का अगला अध्याय और भी दिलचस्प है। कमाई का 80 प्रतिशत सीधे सारथियों के खाते में जितना चले, उतना कमाए। शेष 20 प्रतिशत भविष्य की पूँजी, ताकि व्यवस्था टिकाऊ बने। शुरूआती तीन वर्षों में विस्तार पर ध्यान और उसके बाद लाभ का समान वितरण यह संरचना बताती है कि लक्ष्य बाजार पर कब्जा नहीं, बल्कि स्थायी सहकारिता तंत्र खड़ा करना है। सहकारिता आंदोलन के रणनीतिक शिल्पी अमित शाह ने संरचना को इस प्रकार गढ़ा है कि बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स में सारथियों के लिए आरक्षित स्थान हों। जब नीति निर्माण की मेज पर वही लोग बैठेंगे जो प्रतिदिन यात्रियों को गंतव्य तक पहुंचाते हैं, तब निर्णय भी जमीनी अनुभवों से प्रेरित होंगे। यह वही प्रशासनिक दृष्टि है जिसने सहकारिता मंत्रालय को नई ऊर्जा दी और जिसे मोदी सरकार के कार्यकाल में संस्थागत मजबूती मिली।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में धान खरीद की समीक्षा बैठक संपन्न

जौनपुर (उत्तरशक्ति) । जिला खाद्य विपणन अधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि जनपद में सभी क्रय संस्थाओं के कुल 160 क्रय केंद्रों पर, निर्धारित धान क्रय लक्ष्य 160000 मी.टन के सापेक्ष अब तक 162082.762 मी.टन धान खरीद 28761 किसानों से हुई है। जनपद में हुई धान खरीद के सापेक्ष 52.24% सीएमआर का संप्रदान राइस मिलों द्वारा एफङ्कसीङ्कआईङ्क में किया गया है। जनपद में सी0एम0आर0 भंडारण हेतु पर्याप्त भंडारण क्षमता उपलब्ध न होने के कारण भारतीय खाद्य निगम में सी0एम0आर0 संप्रदान तथा क्रय केंद्रों से राइस मिलों को धान के प्रेषण की गति धीमी होने के संबंध में अवगत कराया गया, साथ ही मोहाव एवं केराकत के गोदामों को भारतीय खाद्य निगम द्वारा अविलंब सक्रिय कराये जाने का अनुरोध किया गया। जिस पर जिलाधिकारी द्वारा मंडलीय प्रबंधक, भारतीय खाद्य निगम, वाराणसी को जनपद में स्थित सभी गोदामों को पूर्ण क्षमता के साथ प्रतिदिन प्रचालित कराये जाने के निर्देश दिये गये, साथ ही आवश्यकतानुसार अन्य गोदामों को चिह्नित कर यथाशीघ्र क्रियाशील कराने के निर्देश भारतीय खाद्य निगम के अधिकारियों को दिये गये।

प्रबंधक एस0डब्लू0सी0, किरतापुर को जनपद के सभी डिपो पर प्रतिदिन अधिकाधिक श्रमिकों का प्रबंध कर सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत खाद्यान्न का उठान एवं सीएमआर संप्रदान तेज गति से कराने के निर्देश दिये गये।

जिलाधिकारी द्वारा जिला खाद्य विपणन अधिकारी एवं समस्त क्षेत्रीय विपणन अधिकारियों व विपणन निरीक्षकों को राइस मिलों का नियमित रूप से निरीक्षण कर सीएमआर का संप्रदान तीव्र गति से कराये जाने के निर्देश दिए गए। साथ ही केंद्रों पर भंडारित धान की पर्याप्त सुरक्षा सुनिश्चित कराते हुए राइस मिलों को धान का प्रेषण तीव्रता से कराने हेतु सचेत किया गया। अधिक अवशेष धान वाले केंद्रों का टीमों के माध्यम से सत्यापन कराया जाएगा। बैठक में मंडलीय प्रबंधक, भारतीय खाद्य निगम, वाराणसी, जिला खाद्य विपणन अधिकारी जौनपुर, एआर कोऑपरेटिव जौनपुर, सभी क्रय संस्थाओं के जिला प्रबंधक, सभी क्षेत्रीय विपणन अधिकारी/विपणन निरीक्षक सहित अन्य उपस्थित रहे।

प्राथमिक विद्यालय पूरा हेमू में टी ई टी अनिवार्यता को लेकर शिक्षकों ने किया विरोध

-दानिश सिद्दीकी

जौनपुर (उत्तरशक्ति) । विकासखंड बक्सा क्षेत्र के अंतर्गत पूरा हेमू विद्यालय में टी ई टी अनिवार्यता को लेकर शिक्षकों ने किया विरोध। विद्यालय पर काली पट्टी बांधकर शिक्षकों ने टीईटी अनिवार्यता को लेकर विरोध प्रकट कर रहे हैं। इसी क्रम मे प्राथमिक शिक्षा संघ कोषाध्यक्ष बक्सा श्यामलाल मौर्य, प्रधानाध्यापक राजेश सिंह , विनय यादव सच्चिदानंद , अंजली मोर्य, चंचला देवी, रेखा यादव ने कहा दिनांक 22 फरवरी 2026 के ट्विटर अभियान के पश्चात 23 फरवरी 26 से 25 फरवरी तक विद्यालयों में काली पट्टी बांधकर प्रदर्शन एवं 26 फरवरी को बीएसए कार्यालय पर धरना प्रदर्शन बड़ी संख्या में शिक्षकों के साथ किया जाएगा तथा बीएसए कार्यालय से डीएम कार्यालय तक मार्च कर प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन डीएम को सौपा जाएगा। शिक्षकों की मांग है कि 29 जुलाई 2011 के पूर्व नियुक्ति सभी शिक्षकों को टीईटी से मुक्त रखा जाए 2017 के अमेंडमेंट बिल का संशोधन कर शिक्षकों की सेवाओं को संरक्षित किया जाए । शिक्षकों ने कहा पूर्व के शिक्षक अपनी तत्कालीन सेवा शर्तों को पूर्ण करते ही नियुक्त किए गए थे ' 25 साल सेवा के पश्चात टेट पास करना उनके लिए अव्यावहारिक एवं अन्यायपूर्ण है।

नगर का हो रहा बहुमुखी विकास : मनोरमा मौर्या

जौनपुर (उत्तरशक्ति) । नगर पालिका परिषद क्षेत्र में विकास कार्यों को नई गति देते हुए अध्यक्ष मनोरमा मौर्य ने सोमवार को विभिन्न वार्डों में नाली, इंटरलॉकिंग सड़क एवं पीवीसी पाइप द्वारा जलनिकासी निर्माण कार्यों का लोकार्पण किया। इस अवसर पर स्थानीय नागरिकों ने फूल-मालाओं के साथ उनका भव्य स्वागत किया। नगर पालिका परिषद जौनपुर की अध्यक्ष श्रीमती मनोरमा मौर्य ने क्षेत्र के विभिन्न वार्डों में कराए गए निर्माण कार्यों का विधिवत लोकार्पण किया। वार्ड चांदपुर भुतपट्टी में आशीष यादव के मकान से रवि दुबे के मकान होते हुए विनोद सिंह गंग के मकान तक नाली व इंटरलॉकिंग निर्माण कार्य लगभग 17.81 लाख रुपये की लागत से पूर्ण कराया गया। इसी प्रकार वार्ड वाजिदपुर दक्षिण/चांदपुर सद्भावना कॉलोनी में विजय सिंह के मकान से दिनेश यादव के मकान होते हुए जियाउल के हाता तक सड़क व नाली निर्माण कार्य 16.73 लाख रुपये की लागत से कराया गया। वार्ड नईगंज डीह बाबा स्थल, उमरपुर रूधा, गांधी आश्रम, कटघर गुरुद्वारा कॉलोनी, मो० बेगमगंज एवं अन्य क्षेत्रों में भी नाली, इंटरलॉकिंग सड़क तथा पीवीसी पाइप से जलनिकासी के निर्माण कार्यों का लोकार्पण किया गया, जिन पर लाखों रुपये की लागत आई है। नपा अध्यक्ष ने कहा कि नगर क्षेत्र का बहुमुखी विकास हो रहा है। जनता के हितों को प्राथमिकता के तौर पर शामिल करते हुए उनकी खुशहाली के लिए सतत प्रयास जारी है। सरकार की जनकल्याणकारी योजनाएं धरातल पर पात्र लोगों तक पहुंच रही हैं।लोकार्पण स्थल पर पहुंचने पर स्थानीय नागरिकों ने फूल-मालाओं से स्वागत करते हुए जोरदार अभिनंदन किया। स्थानीय जनता ने वर्तमान पालिका अध्यक्ष द्वारा कराए जा रहे विकास कार्यों की सराहना की और कहा कि इन कार्यों से क्षेत्र में जलभराव की समस्या से राहत मिलेगी तथा आवागमन सुगम होगा। कार्यक्रम के दौरान अध्यक्ष मनोरमा मौर्य के साथ उनके प्रतिनिधि डॉ. रामसूरत मौर्य सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

यूनियन बैंक द्वारा मुंबई क्लाइमेट वीक में प्रतिभागिता एवं योगदान

मुंबई। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया (यूबीआई) ने मुंबई क्लाइमेट वीक (एमसीडब्ल्यू) 2026 में सहभागिता की है, जो जलवायु कार्रवाई में तेजी लाने के लिए ग्लोबल साउथ सिटी-नेतृत्व वाला मंच है, जिसका आयोजन दिनांक 17 से 19 फरवरी, 2026 तक जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर, बीकेसी, मुंबई में किया गया. बैंक ने भारतीय उद्योग के लिए महत्वाकांक्षा को निवेश योग्य कार्रवाई में बदलने में मदद करने के लिए प्रमुख थिंक टैंक (विचारकों) के साथ संयुक्त रूप से विकसित तीन लीडरशिप दस्तावेजों का भी अनावरण किया. इस्पात एवं सीमेंट क्षेत्र का कार्बन उत्सर्जन कम करना (जीआईजेड, जर्मन अंतरराष्ट्रीय सहयोग एजेंसी के साथ संयुक्त रूप से विकसित). यह दस्तावेज उन क्षेत्रों में कार्बन उत्सर्जन कम करने के लिए तकनीकी मार्ग, कार्यान्वयन कार्यनीति, परिपक्वता स्तर, कम कार्बन वाली तकनिकियां और वित्तपोषण तंत्र प्रस्तुत करता है जहां कार्बन उत्सर्जन कम करना कठिन है. परिवर्तन आयोजना हेतु जलवायु परिदृश्य मॉडलिंग (सीईईडब्ल्यू, ऊर्जा, पर्यावरण एवं जल परिषद के साथ संयुक्त रूप से विकसित). यह दस्तावेज भारत के लिए विशिष्ट जलवायु परिदृश्य विकसित करने हेतु जीसीएएम (ग्लोबल चेंज एनालिसिस) मॉडल का उपयोग करता है और बैंक के अग्रणी कार्य को रेखांकित करता है. यह दस्तावेज जलवायु जोखिम एवं अवसर विश्लेषण में मॉडल के उपयोग तथा परिवर्तन आयोजना में इसके एकीकरण को सम्मलित करता है. परिचालनात्मक कार्बन उत्सर्जन कम करना और नेट-जीरो रोडमैप (ई एंड वाई, अर्न्स्ट एंड यंग के साथ संयुक्त रूप से विकसित). यह दस्तावेज विस्तार से बताता है कि बैंक अपने नेट जीरो 2035 (स्कोप 1 और 2) प्रतिबद्धता को परिचालन, कार्यनीति और प्रक्रियाओं में कैसे शामिल कर रहा है. उपरोक्त के अतिरिक्त, बैंक ने क्षमता निर्माण के लिए ₹भारतीय बैंकों के लिए ईएसजी प्रमाणन कार्यक्रम₹ नामक एक उद्योग-अग्रणी प्रमाणन शुरू किया है, जिसे बैंक ने सीपीआई (जलवायु नीति पहल) के साथ संयुक्त रूप से विकसित किया है. बैंक ने कम कार्बन उत्सर्जन वाले क्षेत्रों के परिवर्तन पर ₹यूनियन बैंक जलवायु संवाद का आयोजन किया, जिसमें उद्योग प्रतिनिधियों, थिंक टैंक (विचारकों), विनियामकों, वित्तीय संस्थानों, निवेशकों, रेटिंग एजेंसियों और अन्य हितधारकों ने सहभागिता की है.

ब्रज के रंग में रंगी काशी : रंगभरी एकादशी पर आस्था, परंपरा और सांस्कृतिक संगम का अलौकिक उत्सव

वाराणसी। काशी की आध्यात्मिक धड़कनों में इस बार रंगभरी एकादशी का महापर्व एक नए सांस्कृतिक आयाम के साथ गूंजेगा। श्रीकाशी विश्वनाथ धाम व श्रीकृष्ण जन्मस्थली मथुरा के मध्य आरंभ हुआ सांस्कृतिक आदान-प्रदान इस वर्ष आस्था और परंपरा के अद्भुत संगम का साक्षी बनने जा रहा है। मंदिर प्रशासन द्वारा जारी जानकारी के अनुसार काशी से भगवान श्रीकृष्ण के बाल स्वरूप के लिए खिलौने, चॉकलेट, पारंपरिक मिठाइयाँ, वस्त्र और फल श्रद्धाभाव से मथुरा प्रेषित किए गए, जिन्हें श्रीकृष्ण जन्मस्थान न्यास ने 24 फरवरी को विधिवत स्वीकार किया। इस पहल को काशी और ब्रज की सनातन सांस्कृतिक परंपराओं के मधुर संवाद के रूप में देखा जा रहा है। मथुरा मंदिर के अनुसार 26 फरवरी को रसियारों की एक विशेष टोली भेंट सामग्री के साथ काशी के लिए प्रस्थान करेगी। 27 फरवरी को रंगभरी एकादशी के पावन अवसर पर शिवार्चनम मंच से ब्रज की परंपरागत रास-लीला और फूलों की होली का भव्य आयोजन किया जाएगा। काशी में पहली बार ब्रज शैली की इस सांस्कृतिक प्रस्तुति को लेकर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखा जा रहा है। यह आयोजन केवल उत्सव नहीं, बल्कि दो महान धार्मिक परंपराओंकृब्रज और काशीकृके भावनात्मक सेतु का प्रतीक माना जा रहा है। काशी में रंगभरी एकादशी को भगवान शिव और माता पार्वती के दिव्य मिलन के उत्सव के रूप में मनाया जाता है। महाशिवरात्रि के उपरांत यह धाम का दूसरा सबसे बड़ा पर्व माना जाता है, जब बाबा विश्वनाथ को अबीर-गुलाल अर्पित कर नगर में उत्सव की अलौकिक छटा बिखरती है। इस दिन काशी की गलियां भक्ति, संगीत और रंगों से सराबोर हो उठती हैं। महापर्व को सुव्यवस्थित और सुरक्षित बनाने के लिए प्रशासन ने व्यापक तैयारियां की हैं। पुलिस विभाग के साथ-साथ प्रशासनिक अधिकारियों के साथ संयुक्त बैठक कर सुरक्षा व्यवस्था को अंतिम रूप दिया गया है। पालकी परंपरा की मयार्दा को ध्यान में रखते हुए केवल 64 चिन्हित व्यक्तियों को ही प्रवेश की अनुमति होगी। मंदिर परिसर के भीतर मोबाइल फोन पूर्णतः प्रतिबंधित रहेंगे। नियमों के उल्लंघन पर तत्काल कार्रवाई की जाएगी।

मंदिर प्रशासन द्वारा श्रद्धालुओं के लिए ठंडई, जलपान और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की विशेष व्यवस्था की जा रही है। साथ ही संकरी गलियों से गुजरने वाली पारंपरिक पालकी यात्रा के दौरान अनुशासन बनाए रखने की अपील की गई है, ताकि उत्सव की गरिमा अक्षुण्ण रहे। मंदिर न्यास ने काशीवासियों और देशभर से आने वाले श्रद्धालुओं से आग्रह किया है कि वे इस पावन अवसर पर सहभागी बनकर ब्रज और काशी की सांस्कृतिक एकात्मता के इस अद्वितीय उत्सव के साक्षी बनें। आस्था के रंग, परंपरा की सुगंध और भक्ति की मधुरता से सुसज्जित यह रंगभरी एकादशी काशी को एक बार फिर आध्यात्मिक उल्लास के दिव्य प्रकाश से आलोकित करने जा रही है।

कासाग्रैंड ने मुंबई में डेवलपमेंट ऑफिस शुरू किया

मुंबई। कासाग्रैंड प्रीमियर बिल्डर लिमिटेड ने आज मुंबई में अपने डेवलपमेंट ऑफिस का उद्घाटन किया, जिससे पश्चिमी भारत में उसकी मौजूदगी और बढ़ गई है। कासाग्रैंड दक्षिण भारत का एक जाना-माना रेजिडेंशियल ब्रांड है। 1 जनवरी, 2017 से 30 जून, 2025 के दौरान चेन्नई के रेजिडेंशियल सेक्टर में यह सबसे बड़ा डेवलपर रहा है। ऑफिस का उद्घाटन मशहूर भारतीय राजनेता शाइना एनसी ने किया। इस दौरान कासाग्रैंड प्रीमियर बिल्डर लिमिटेड के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर अरुण एमएन और सीनियर मैनेजमेंट टीम भी मौजूद थी। ऑफिस का पता है- 11वीं मंज़िल, टावर इ, पेनिनसुला बिजनेस पार्क, सेनापति बापट मार्ग, लोअर परेल, मुंबई - 400 013। 2003 में शुरू हुई कासाग्रैंड कंपनी तय समय सीमा के भीतर बेहतरीन प्रोडक्ट देने पर फोकस करती है। कंपनी कासाग्रैंड ब्रांड के तहत लग्ज़री, मिड-रेंज और किफायती कैटेगरी में अपार्टमेंट और इंडिपेंडेंट विला ऑफर करती है। रियल एस्टेट सेक्टर में 22 साल के अनुभव के साथ, कासाग्रैंड के पास चेन्नई, बेंगलुरु, कोयंबटूर, हैदराबाद, पुणे जैसे पांच प्रमुख भारतीय शहरों और दुबई में 180 से ज्यादा प्रोजेक्ट्स और 8.8 करोड़ स्क्वायर फीट से ज्यादा के डेवलपमेंट का मजबूत पोर्टफोलियो है। यह उद्घाटन पश्चिमी भारत में कासाग्रैंड की मौजूदगी की दिशा में एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। कंपनी ने महाराष्ट्र में पहले ही अपर खराड़ी के पास अपने चल रहे रेजिडेंशियल प्रोजेक्ट 'कासाग्रैंड कैलेडियम' के ज़रिए कदम रख दिया है। मुंबई का यह ऑफिस राज्य में कंपनी के कामकाज को मजबूती देगा। इससे कंपनी महाराष्ट्र के घर खरीदारों को उसी क्वालिटी और वादे के साथ बेहतर सर्विस दे पाएगी, जिसके लिए दक्षिण भारत में कासाग्रैंड ब्रांड जाना जाता है। इस मौके पर कासाग्रैंड प्रीमियर बिल्डर लिमिटेड के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर अरुण एमएन ने कहा, मुंबई में हमारे नए डेवलपमेंट ऑफिस का उद्घाटन हमारे लिए एक बड़ी उपलब्धि है। हमें विश्वास है कि इस विस्तार से पार्टनर्स, कंसल्टेंट्स और स्टेकहोल्डर्स के साथ मिलकर काम करने की हमारी क्षमता बढ़ेगी, साथ ही इस क्षेत्र में हमारे कामकाज में भी तेजी आएगी। इसके अलावा, हमारा मानना है कि मुंबई में ऑफिस खोलना महाराष्ट्र के प्रति कासाग्रैंड के लॉन्ग टर्म कमिटमेंट और पश्चिमी भारत की ग्रोथ पर हमारे भरोसे को दिखाता है।

अभियान चलाकर 1390 वाहनों का किया गया चालान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जौनपुर, कुंवर अनुपम सिंह के निर्देशन में यातायात नियमों के अनुपालन के दृष्टिगत आज दिनांक- 24.02.2026 को यातायात पुलिस व समस्त थानों द्वारा अभियान चलाकर कुल 1390 वाहनों का चालान तथा 01 वाहन सीज किया गया। जनपद में अपराध नियंत्रण, कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने और यातायात नियमों के पालन हेतु वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जौनपुर कुंवर अनुपम सिंह के कुशल निर्देशन में पूरे जनपद में विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत जनपद के विभिन्न थाना क्षेत्रों के प्रमुख चौराहों, सार्वजनिक स्थानों और संवेदनशील मार्गों पर पुलिस बल द्वारा सघन चेकिंग की गई। अभियान का प्राथमिक उद्देश्य जनपद में सुरक्षा व शांति व्यवस्था बनाए रखना तथा संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों की गतिविधियों पर अंकुश लगाना रहा। चेकिंग के दौरान पुलिस टीम द्वारा संदिग्ध वाहनों एवं व्यक्तियों की बारीकी से तलाशी ली गई। इस दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले, बिना हेलमेट, बिना सीट बेल्ट, तीन सवारी और बिना वैध प्रपत्रों के वाहन चलाने वालों के विरुद्ध सख्त रुख अपनाया गया। जनपद के विभिन्न थानों की पुलिस द्वारा कुल 1390 वाहनों का चालान व 01 वाहन सीज कर वैधानिक कार्यवाही की गई। जौनपुर पुलिस आम जनमानस से अपील करती है कि वे सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस का सहयोग करें और सदैव यातायात नियमों का पालन करें।

सास के निधन के एक घंटे बाद सदमे से बहू की भी हुई मौत

-इम्तियाज अहमद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। आज के दौर में सास-बहू का इतना आत्मीय लगाव कम ही देखने को मिलता है। कई वर्षों से अस्वस्थ सास की देखभाल करने वाली बहू उनके निधन का दुख सहन नहीं कर सकी। एक घंटे के भीतर ही रोते-रोते उसने भी दम तोड़ दिया। रामपुर थाना क्षेत्र के भरथीपुर गांव में मंगलवार की दोपहर हुई यह मर्माहत कर देने वाली घटना गांव-जवार में चर्चा का विषय बन गई है। गांव के स्व. राजनाथ सिंह का भरा-पूरा परिवार है। उनकी 77 वर्षीय पत्नी विमला देवी लंबे समय से अस्वस्थ चल रहीं थीं। उपचार के दौरान दोपहर में घर पर ही उनका देहांत हो गया। उनकी देखरेख करने वाली बहू 50 वर्षीय निशा सिंह पत्नी अशोक सिंह को गहरा सदमा पहुंचा। रोते-रोते एक घंटे बाद वह बेसुध होकर गिर गईं। स्वजन निशा सिंह को आनन-फानन एक निजी अस्पताल ले गए। डाक्टर ने देखते ही मृत घोषित कर दिया।

दूसरे की जगह दे रहे एक मुन्ना भाई को पुलिस ने दबोचा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना मछलीशहर पुलिस टीम द्वारा परीक्षार्थी के स्थान पर अवैध तरीके से परीक्षा देते हुए एक आरोपी को किया गया गिरफ्तार। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जौनपुर, कुँवर अनुपम सिंह द्वारा अपराध व अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे। अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के कुशल निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी मछलीशहर जौनपुर के पर्यवेक्षण में प्र0नि0 मछलीशहर के नेतृत्व में उ0नि0 सुरेन्द्र यादव मय हमराह का0 रमेश कुमार द्वारा कल दिनांक 23.02.2025 को परीक्षा शान्ति व्यवस्था ड्यूटी में नरेन्द्र बहादुर इण्टर कॉलेज घघरिया में मौजूद थे कि केन्द्र व्यवस्थापक श्री प्रमोद कुमार शर्मा द्वारा अवगत कराया गया कि साहस यादव पुत्र शेषमणि यादव निवासी ग्राम डगरियांव पोस्ट डमरुआ थाना सिकरारा जनपद जौनपुर द्वारा मनीष यादव नामक परीक्षार्थी के स्थान पर अवैध तरीके से परीक्षा दे रहा है। केन्द्र व्यवस्थापक द्वारा सुपुर्द किये जाने पर नियमानुसार समय 17.30 बजे हिरासत पुलिस लिया गया। जिसे आज दिनांक 24.02.2026 को नियमानुसार कार्यवाही के उपरान्त पुलिस अभिरक्षा में मा0 न्यायालय जौनपुर भेज दिया गया।

बीकेटी ने ऑन-हाइवे टायर पोर्टफोलियो के साथ भारत के कंज्यूमर टायर मार्केट में प्रवेश किया

मुंबई। ऑफ-हाइवे टायर (OHT) सेगमेंट में ग्लोबल लीडर, बालकृष्ण इंडस्ट्रीज लिमिटेड (बीकेटी) ने आज अपने ऑन हाइवे पोर्टफोलियो के साथ भारत के कंज्यूमर टायर मार्केट में प्रवेश किया। डळळ लीडरशिप से आगे बढ़ते हुए, बीकेटी ने टू-व्हीलर (स्कूटर और मोटरसाइकिल) तथा मीडियम और हैवी कमर्शियल व्हीकल्स (M&HCV) के लिए निर्मित टायर पेश किए, जिससे भारत में तेजी से बढ़ते कंज्यूमर और रिप्लेसमेंट टायर बाजार के प्रति कंपनी की प्रतिबद्धता प्रदर्शित होती है। इस लॉन्च के साथ ही कंपनी ने अपना नेशनल ब्रांड कैंपेन, एलिवेट योर ड्राइव भी शुरू किया, जिसमें ब्रांड एंबेसडर रणवीर सिंह उपभोक्ता बाजार में कंपनी का सफर शुरू करते दिखाई दे रहे हैं। यह कंपनी के लिए एक नए अध्याय की शुरूआत है।

ब्रांड का नया अध्यायः बीकेटी टायर्स और बीकेटी कार्बन कंपनी ने अपनी यूनिफाइड कॉर्पोरेट पहचान, बीकेटी - ग्रोइंग टुगेदर के अंतर्गत दो विशेष पहचान के साथ एक नया ब्रांड आर्किटेक्चर पेश किया है। बीकेटी टायर्स ऑफ-हाईवे और ऑन-हाईवे कैटेगरी में पूरा टायर पोर्टफोलियो पेश करता है। वहीं बीकेटी कार्बन इसके कार्बन ब्लैक और औद्योगिक मटेरियल बिजनेस का प्रतिनिधित्व करता है। इस ड्युअल पिलर स्ट्रक्चर से ब्रांड की स्पष्टता बढ़ी है और एक इंटीग्रेटेड मोबिलिटी एंटरप्राइज के रूप में बीकेटी का विकास प्रदर्शित हुआ है। यह घोषणा बीकेटी के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर अरविंद पोद्दार; बीकेटी के जॉइंट मैनेजिंग डायरेक्टर राजीव पोद्दार; बीकेटी के सीनियर प्रेसिडेंट और डायरेक्टर झ बिजनेस डेवलपमेंट और स्ट्रैटेजी, सतीश शर्मा; बीकेटी यूरोप की मैनेजिंग डायरेक्टर लूसिया सलमासो और बीकेटी टायर्स के चीफ मार्केटिंग ऑफिसर- इंडिया महेश कोप्पड़ की मौजूदगी में की गई।

बीकेटी के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर, अरविंद पोद्दार ने कहा, हमने अपने उद्देश्य के साथ ऑन-हाईवे सेगमेंट में स्वाभाविक रूप से प्रवेश किया है। हमारा मकसद वास्तविक परिस्थितियों के अनुरूप निर्मित प्रोडक्ट्स के साथ भारत में मोबिलिटी की बदलती जरूरतों को पूरा करना है। हमने दशकों के के अनुईशासन के साथ ऐसे टायर पेश किए हैं, जो सुरक्षा, विश्वसनीयता और बेहतरीन मूल्य प्रदान करते हैं। बीकेटी -ग्रोइंग टुगेदर के के साथ हम ग्राहकों, वितरकों और डीलर्स के भरोसेमंद पार्टनर बनना चाहते हैं। बीकेटी के जॉइंट मैनेजिंग डायरेक्टर, राजीव पोद्दार ने कहा, ऑन-हाइवे टायर सेगमेंट में बीकेटी का प्रवेश हमारे विजन 2030 के तहत एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, जिसके अंतर्गत हमारा लक्ष्य भारत में जिम्मेदारी के साथ विस्तार करते हुए अपने मोबिलिटी फुटप्रिंट बढ़ाना है। हम महत्वाकांक्षा और अनुशासन के एक संतुलित नजरिए के साथ काम करते हैं, और लाभ को सुरक्षित रखते हुए इंजीनियरिंग की अपनी उत्कृष्टता के साथ आगे बढ़ते हैं । 2030 तक वित्तवर्ष 2025 के मुकाबले 2.2७ अधिक, यानी ?23,000 करोड़ के रेवेन्यू के लक्ष्य के साथ हमारा संतुलित विकास स्पष्टता, क्षमता और दीर्घकालिक प्रतिबद्धता पर आधारित है। बीकेटी के सीनियर प्रेसिडेंट और डायरेक्टर- बिजनेस डेवलपमेंट एंड स्ट्रैटेजी, सतीश शर्मा ने कहा, ह्विकास के नए चरण में प्रवेश करते हुए हम 2 व्हीलर, ट्रक बस रेडियल, पैसेंजर और लाइट ट्रक कैटेगरी में ड्यूरेबिलिटी, माइलेज, कम्फर्ट और एडवांस्ड परफॉर्मेंस देने पर केंद्रित हैं। हमारी यह वृद्धि ग्राहकों की गहरी समझ और प्रोडक्ट लीडरशिप की हमारी प्रतिबद्धता पर आधारित है। चाहे चैनल में शून्य बाधा के साथ विस्तृत उपलब्धता सुनिश्चित करते हुए वितरण को मजबूत बनाना हो, राइडर्स के लिए हमारा जर्नी असिस्टेंस प्रोग्राम हो, या सेव द केसिंग जैसे परिवर्तनकारी प्रोग्राम और मार्केट में सबसे बेहतर एंड यूजर लॉयल्टी प्लेटफॉर्म हों, हमें हर बार उद्योग की अग्रणी पहल करने पर गर्व है। हमारा लक्ष्य साफ है, हम प्रोडक्ट लीडरशिप, मजबूत वितरण और एक अनुशासित, भारत-केंद्रित योजना के साथ वित्तवर्ष 2030 तक बाजार में 5% हिस्सा हासिल करना चाहते हैं।

उत्तम कुमार ने आगामी केरल विधानसभा चुनाव को लेकर पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े से की मुलाकात

मुंबई। भारतीय जनता पार्टी महाराष्ट्र प्रदेश के केरल सेल के कोऑर्डिनेटर उत्तम कुमार ने आगामी केरल विधानसभा चुनाव की तैयारियों के सिलसिले में पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े से मुलाकात की। तावड़े को केरल चुनाव का प्रभारी बनाया गया है। इससे पहले वे बिहार और हरियाणा में चुनावी जिम्मेदारियां संभाल चुके हैं, जहां पार्टी को सफलता मिली थी।

बैठक के दौरान उत्तम कुमार ने महाराष्ट्र स्थित केरल सेल की गतिविधियों, पदाधिकारियों, कार्यकताओं और विभिन्न सामाजिक-सांस्कृतिक संगठनों से समन्वय की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने उन पदाधिकारियों की सूची भी सौंपी जो महाराष्ट्र से केरल में चुनाव प्रचार के लिए जाने वाले हैं। इस समन्वय से अंतर-राज्यीय तालमेल को मजबूत करने और चुनावी अभियान को गति देने पर चर्चा हुई। विनोद तावड़े ने केरल में संगठन विस्तार के लिए बूथ स्तर पर संरचना मजबूत करने, स्थानीय मुद्दों को प्राथमिकता देने और विभिन्न सामाजिक वर्गों के साथ सीधा संवाद बढ़ाने पर जोर दिया। उन्होंने चुनाव प्रबंधन, प्रचार रणनीति और कार्यकर्ता प्रशिक्षण को लेकर अपने अनुभव साझा किए। तावड़े ने कहा कि केरल में पार्टी का आधार मजबूत करने के लिए संगठनात्मक अनुशासन, प्रभावी संवाद और स्थानीय नेतृत्व को सशक्त बनाना आवश्यक है। उन्होंने विश्वास जताया कि बेहतर समन्वय और आत्मविश्वास के साथ काम करने पर सकारात्मक परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं। इस मुलाकात के बाद केरल विधानसभा चुनाव को लेकर पार्टी की रणनीति और स्पष्ट मानी जा रही है। कार्यकर्ताओं ने उम्मीद जताई कि महाराष्ट्र और केरल के बीच बढ़ा तालमेल चुनाव अभियान को नई दिशा देगा।

आटा चक्की में फंसकर हांथ कटन से, स्वामी घायल

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के मुडैला मोड़ के पास मंगलवार शाम एक आटा चक्की संचालक उस समय गंभीर रूप से घायल हो गया, जब उसका हाथ चलते हुए साफटिन में फंस गया। घटना करीब शाम 5 बजे की बताई जा रही है। ग्रामीणों ने तत्काल उसे एंबुलेंस की मदद से जिला अस्पताल पहुंचाकर भर्ती कराया गया। यहां से चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार करने के पश्चात बेहतर इलाज के लिए वाराणसी रेफर कर दिया।

क्षेत्र के बडउर गांव निवासी 40 वर्षीय मनोज मुडैला मोड़ पर अपनी आटा चक्की चलाते हैं। रोज की तरह वह चक्की मशीन चला रहे थे, तभी अचानक उनका हाथ साफटिन में फंस गया। तेज आवाज और मनोज की चीख पुकार सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए। लोगों ने किसी तरह मशीन बंद कराई और गंभीर रूप से घायल मनोज को एंबुलेंस बुलाकर जिला अस्पताल भेजा। अस्पताल के चिकित्सकों ने उनकी स्थिति गंभीर बताई है।

समीर देसाई द्वारा लिखित वियतनाम-ए नेशन ऑफ मेमोरीज पुस्तक का विमोचन

मुंबई / पुणे। वियतनाम की सांस्कृतिक विरासत अत्यंत समृद्ध है और इस देश की यात्रा के दौरान इतिहास की अनेक स्मृतियों को फिर से महसूस किया जा सकता है। भारत और वियतनाम के बीच कई वर्षों से संबंध रहे हैं। वियतनाम केवल एक पर्यटन स्थल नहीं, बल्कि यादें बनाने वाला देश है, ऐसा मत ली क्वांग बिएन (वियतनाम के मुंबई स्थित कौंसुल जनरल) ने व्यक्त किया। वियतनाम की सांस्कृतिक विरासत और इतिहास की स्मृतियों का अनुसरण करने वाली पुस्तक वियतनाम ए नेशन ऑफ मेमोरीज का विमोचन ली क्वांग बिएन के हाथों हुआ। यह कार्यक्रम मलाका स्पाइस में उत्साहपूर्ण वातावरण में आयोजित किया गया, जहां वे बोल रहे थे। पिछले कुछ वर्षों में दोनों देशों के बीच और अधिक निकटता आई है। देसाई द्वारा लिखित इस पुस्तक का उपयोग यहां के नागरिकों को वियतनाम को समझने में होगा, ऐसा विश्वास ली क्वांग बिएन ने व्यक्त किया। ब्रांड स्ट्रैटेजिस्ट तथा सीगल के संस्थापक और प्रबंध निदेशक सरीर देसाई ने यह पुस्तक लिखी है। कार्यक्रम में पुस्तक की निर्मिति के पीछे की प्रेरणा, संकल्पना और अध्ययन प्रक्रिया के बारे में समीर देसाई ने अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा, वियतनाम केवल एक भौगोलिक राष्ट्र नहीं, बल्कि स्मृतियों का राष्ट्र है। उन स्मृतियों की यात्रा में पाठकों को सहभागी बनाने का प्रयास इस पुस्तक के माध्यम से किया गया है। देसाई के साथ वियतनाम यात्रा पर गए सहयात्रियों ने भी इस अवसर पर अपने अनुभव साझा किए। कार्यक्रम का संचालन अवनी मुळे ने किया। पुस्तक के विमोचन के बाद सोनम श्रीवास्तव ने देसाई से संवाद किया। इस दौरान उन्होंने पुस्तक की यात्रा को विस्तार से बताया।

विरार : मोरेगांव में मंजूर प्राइमरी हेल्थ सेंटर का काम तुरंत शुरू करने की मांग

विरार। वसई-विरार सिटी म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन क्षेत्र के वार्ड नंबर-10, सर्वे नंबर 314, मौजे मोरे (नालासोपारा मोरेगांव) में कॉमन डेवलपमेंट कंट्रोल रूल्स की हाउसिंग पॉलिसी के तहत मंजूर प्राइमरी हेल्थ सेंटर का काम अब तक शुरू नहीं होने पर भारतीय जनता पार्टी ने कड़ा रुख अपनाया है। सोमवार (24 फरवरी) दोपहर, विरोध पक्ष के नेता मनोज पाटिल के नेतृत्व में भाजपा के एक प्रतिनिधिमंडल ने म्युनिसिपल कमिश्नर मनोज कुमार सूर्यवंशी से मुलाकात कर उन्हें विस्तृत निवेदन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि मौजे मोरे का यह प्रोजेक्ट पूरी तरह से जनहित में है और स्थानीय नागरिकों के स्वास्थ्य के लिए अत्यंत आवश्यक है। विशेष बात यह है कि इस प्राइमरी हेल्थ सेंटर का निर्माण संबंधित डेवलपर द्वारा किया जाना है, जिससे मनपा को किसी प्रकार का आर्थिक भार नहीं उठाना पड़ेगा। परियोजना को प्रशासनिक मंजूरी भी मिल चुकी है, बावजूद इसके अब तक निर्माण कार्य शुरू नहीं किया गया है। क्षेत्र में तेजी से बढ़ती आबादी और स्वास्थ्य आपात स्थितियों को देखते हुए भाजपा ने इसे गंभीर लापरवाही बताया। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि डेवलपर द्वारा काम में देरी नियमों का उल्लंघन है और नागरिकों के मूलभूत स्वास्थ्य अधिकारों की अनदेखी है। भाजपा ने मांग किया है कि संबंधित डेवलपर को तत्काल सख्त निर्देश जारी कर निर्माण कार्य शुरू कराया जाए। परियोजना पूर्ण करने के लिए निश्चित समय-सीमा तय की जाए। तय समय में काम शुरू न होने पर डेवलपर के खिलाफ नियमानुसार प्रशासनिक एवं दंडात्मक कार्रवाई की जाए। कमिश्नर मनोज कुमार सूर्यवंशी ने मामले की गंभीरता को स्वीकार करते हुए उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया। इस अवसर पर भाजपा के पार्षद पंकज देशमुख, मेहुल शाह, जीतू पाटिल, गंगेश्वर श्रीवास्तव, सान्वी यांडे, भायडे सहित स्थानीय पदाधिकारी और कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित थे। भाजपा ने स्पष्ट किया है कि स्थानीय नागरिकों के स्वास्थ्य से जुड़े इस मुद्दे पर किसी भी प्रकार की देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी और प्रशासन से तत्काल प्रभावी कदम उठाने की अपेक्षा की जाती है।

मनोज पाटिल को विरोधी पक्ष नेता नियुक्त किए जाने पर किया अभिनन्दन

वसई-विरार। मनोज पाटिल की वसई विरार महानगर पालिका में भारतीय जनता पार्टी के विरोध पक्ष के नेता के रूप में नियुक्ति होने पर उनका अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर वसई विरार महानगर पालिका वार्ड 23 की नगरसेविका निम्मी दोषी ने निपुण दोषी के साथ रूबरू मुलाकात कर मनोज पाटिल को शुभकामनाएं दीं। नगरसेविका निम्मी दोषी ने कहा कि मनोज पाटिल के नेतृत्व में विरोध पक्ष शहर के विकास और जनहित के मुद्दों को मजबूती से उठाएगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि उनके अनुभव और नेतृत्व क्षमता से महापालिका में सकारात्मक एवं रचनात्मक भूमिका निभाई जाएगी। इस अवसर पर कल्पेश चौहान और लालजी कनोजिया ने भी मनोज पाटिल को नई जिम्मेदारी के लिए बधाई एवं शुभेच्छाएं दीं। उपस्थित सभी पदाधिकारियों ने मनोज पाटिल के उज्ज्वल कार्यकाल की कामना करते हुए शहर के सर्वांगीण विकास के लिए मिलकर कार्य करने का संकल्प व्यक्त किया।

पंजाब नैशनल बैंक ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान IIT कानपुर के सहयोग से पीएसबी हैकाथॉन 2026 का शुभारंभ किया

मुंबई। देश के अग्रणी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों मे से एक पंजाब नैशनल बैंक ने वित्तीय सेवा विभाग, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार के मार्गदर्शन और भारतीय बैंक संघ के समन्वय में, पीएसबी हैकाथॉन 2026 के शुभारंभ की घोषणा करते हुए गर्व महसूस कर रहा है। ढठइ के एक वार्षिक राष्ट्रीय आयोजन के रूप में स्थापित यह प्रमुख पहल, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की साइबर सुरक्षा स्थिति को मजबूत करने के लिए भारत के छात्र समुदाय की नवाचार क्षमता का लाभ उठाने का लक्ष्य रखती है। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर के साथ अपने रणनीतिक सहयोग को जारी रखते हुए, PNB 2026 में आगामी पीढ़ी के 'साइबर रेजिलिएंस' (साइबर सुदृढ़ता) पर केंद्रित एक राष्ट्रव्यापी हैकाथॉन श्रृंखला आयोजित करेगा। इस वर्ष का विषय– क्वांटम-प्रूफ सिस्टम्स फॉर पब्लिक-फेसिंग एप्लिकेशन्स₹–भारत के डिजिटल वित्तीय पारिस्थितिकी तंत्र को क्वांटम खतरों से तैयार करने के सरकार के दृष्टिकोण के अनुरूप है। यह उल्लेखनीय है कि हैकाथॉन के पूर्ववर्ती संस्करण में देशभर के प्रतिष्ठित इंजीनियरिंग कॉलेजों और विश्वविद्यालयों के छात्रों की व्यापक भागीदारी देखी गई थी। टीमों ने कोड अगेंस्ट मालवेयर₹ विषय के तहत बैंकिंग सुरक्षा की वास्तविक चुनौतियों पर काम किया था, जो विशेष रूप से रैनसमवेयर खतरों से निपटान के लिए अभिनव समाधान प्रस्तुत किए ।इस पहल को भारतीय बैंकिंग क्षेत्र के भीतर अपनी तरह का पहला सहयोगात्मक प्रयास माना गया। उल्लेखनीय है कि, पिछले साल के हैकाथॉन के दौरान विकसित कई नवाचारी प्रोटोटाइप वर्तमान में बैंकिंग प्रणाली में अपनाने के लिए मूल्यांकन के अधीन हैं, जो शिक्षा जगत और उद्योग के बीच संरचित सहयोग के महत्व को पुष्ट करते सशक्त परिणामों को दशार्ता हैं। पीएसबी हैकाथॉन 2026 एक सॉफ्टवेयर-आधारित क्रिप्टोग्राफिक स्कैनर विकसित करने पर ध्यान केंद्रित करेगा, जिसे क्वांटम-प्रतिरोधी सिफर्स के कार्यान्वयन को मान्य करने और सार्वजनिक-उपयोग वाले अनुप्रयोगों के लिए एक व्यापक क्रिप्टोग्राफिक बिल ऑफ मैटेरियल्स तैयार करने के लिए डिजाइन किया गया है। प्रस्तावित समाधान बैंकिंग इकोसिस्टम के अंतर्गत वेब सर्वर, एपीआई और अन्य महत्वपूर्ण डिजिटल इंटरफेस पर क्रिप्टोग्राफिक जोखिम का आकलन करेगा।

चुनावी विश्लेषण एवं प्रबंधन, पॉलिटिकल कम्युनिकेशन और लेजिस्लेटिव ड्राफ्टिंग पर तीन नए मास्टर्स डिग्री कार्यक्रमों की शुरूआत की

मुंबई/नई दिल्ली। ओ. पी. जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी देश में कानून के शासन, लोकतांत्रिक एवं संसदीय संस्थाओं को और बेहतर बनाने तथा चुनावी प्रक्रियाओं को मजबूत करने के लिए समर्पित है, जिसने चुनावी विश्लेषण एवं प्रबंधन, राजनीतिक संचार और विधायी प्रारूपण में तीन नए डिग्री पाठ्यक्रमों का शुभारंभ किया है। ये तीनों मास्टर्स डिग्री पाठ्यक्रम एक साल की अवधि के हैं, जिसका उद्देश्य पेशेवर रूप से प्रशिक्षित ऐसे विशेषज्ञों की बढ़ती मांग को पूरा करना है जो आज के लोकतंत्र की जटिल सच्चाइयों से निपटने में पूरी तरह सक्षम हों– जिसमें चुनाव के प्रबंधन और राजनीतिक अभियानों से लेकर सुनियोजित तरीके से संचार और उच्च गुणवत्ता वाले कानून बनाने तक की प्रक्रियाएं शामिल हैं। इन तीनों पाठ्यक्रमों का शुभारंभ लोकसभा अध्यक्ष एवं मुख्य अतिथि, ओम बिरला, और विशिष्ट अतिथि अर्जुन राम मेघवाल, राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), विधि एवं न्याय मंत्रालय, भारत सरकार की उपस्थिति में हुआ।